CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-138
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, शुक्रवार 23 अगस्त 2024

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

आज का विचार

कपड़े से तो परदा होता है साहब... हिफाजत तो निगाहों से होती है...

कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस में गठबंधन

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने विधासनभा चुनाव को लेकर कांग्रेस के साथ गठबंधन का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि नेकां और कांग्रेस गठबंधन को अंतिम रूप दिया गया, अब चरणवार सूची प्रकाशित की जाएगी। कांग्रेस ने भी अपने एक्स अकाउंट से गठबंधन की घोषणा की है। इसमें कहा कि गुरुवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने श्रीनगर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला से मुलाकात की। कांग्रेस की ओर से कहा गया है कि हमारी बैठक हुई। हमारी योजनाएं सही रास्ते पर हैं और हमें उम्मीद है कि गठबंधन अच्छा चलेगा। सीट बंटवारे पर हमारे बीच विचार चल रहा है। उधर, जम्मू-कश्मीर में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने विधानसभा चुनाव के लिए पर्यवेक्षकों संग बैठक की। इस बैठक में उन्होंने कहा कि सभी व्यवस्थाएं निष्पक्ष रूप से की जाएंगी। चुनावों को लेकर जम्मू-कश्मीर के लोगों में बहुत उत्साह है। हम और हमारे सभी पर्यवेक्षक यह सुनिश्चित करेंगे कि लोग जहां चाहें वहां स्वतंत्र रूप से मतदान कर सकें।

चीन को पीछे छोड़कर रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार बना भारत

नई दिल्ली। जुलाई में भारत रूस से तेल खरीदने के मामले में चीन को पछाड़कर दुनिया का सबसे बड़ा आयातक बन गया। चीन की रिफाइनर कंपनियों का कहना है कि उन्हें ईंधन उत्पादन से उतना लाभ हासिल नहीं हो रहा है जितना की पहले होता था। इसी वजह से उन्होंने रूसी तेल की खरीद को कम कर दिया। लेकिन इसके चलते भारत की तेल खरीद बढ़ गई। रूसी कच्चा तेल पिछले महीने भारत के कुल आयात का रिकॉर्ड 44त्न रहा, जो जून की तुलना में 4.2त्न और एक साल पहले की तुलना में 12त्न अधिक था। आयात आंकड़ों के मुताबिक भारत ने जुलाई में रूस से रोजाना 2.07 मिलियन बैरल (बीपीडी) तेल आयात किया, जो कि एक नया रिकॉर्ड है। यह आंकड़ा व्यापार और उद्योग के सूत्रों से प्राप्त भारतीय शिपमेंट डेटा पर आधारित है। वहीं चीन ने जुलाई में रूस से 1.76 मिलियन बैरल प्रति दिन (बीपीडी) तेल आयात किया, जो भारत से कम है। अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिमी देशों ने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। वहीं यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के जवाब में इन देशों ने रूस के तेल खरीद लगभग बंद कर दी है। इस कारण रूस भारी छूट पर तेल बेच रहा है। भारतीय रिफाइनर कंपनियां छूट पर बेचे जाने वाले रूसी तेल का भरपूर लाभ उठा रही हैं। एक भारतीय रिफाइनिंग सूत्र ने कहा कि जब तक प्रतिबंधों में और अधिक सख्ती नहीं की जाती, भारत की रूसी तेल की खरीद बढ़ती रहेगी। फरवरी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन के खिलाफ युद्ध शुरू करने के बाद से भारत का रूस के साथ व्यापार बढ़ गया है। मुख्य रूप से तेल और उर्वरक आयात के कारण ऐसा हुआ है। भारत का यह कदम वैश्विक कीमतों पर अंकुश लगाने और महंगाई को नियंत्रित करने में मदद कर रहा है।

कोलकाता रेप और मर्डर केस: सुप्रीम कोर्ट ने पूछा क्या कारण है कि 14 घंटे बाद एफआईआर दर्ज हुई? केस में लीपापोती करने की कोशिश, 30 साल में ऐसा केस नहीं देखा

संदेह के घेरे में पुलिस की हरकत

नई दिल्ली। कोलकाता रेप और मर्डर केस में सुनवाई के दौरान गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को कड़ी फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा क्या कारण है कि 14 घंटे बाद एफआईआर दर्ज हुई? कॉलेज के प्रिंसिपल को सीधे आकर कार्रवाई करनी चाहिए थी, वे किसे बचा रहे हैं। 30 साल में ऐसा केस नहीं देखा। इस केस में लीपापोती करने की कोशिश की गई। जांच के नियमों की अनदेखी की गई। वारदात पर पर्दा डालने की कोशिश की गई। अस्पताल प्रशासन ने इस मामले में एक्शन नहीं लिया। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में आगे की सुनवाई के लिए 5 सितंबर की तारीख दी है। साथ ही सीबीआई और पश्चिम बंगाल सरकार की स्टेटस रिपोर्ट को फिर से सील करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने केस डायरी की हार्ड कॉपी मांगी। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने अप्राकृतिक मौत को लेकर डिटेल भी मांगी है। कोर्ट ने कहा लगता है कि कि केस नंबर बाद में डाला गया है। अप्राकृतिक मौत की एंट्री सुबह की गई। सीजेआई ने कहा कि इस मामले में कोलकाता पुलिस के काम का तरीका सही नहीं। पुलिस ने कानून के तहत काम नहीं किया। उसकी हरकत संदेह के घेरे में हैं। वहीं, जस्टिस पादरीवाला ने कहा कि 30 साल में ऐसा केस नहीं देखा। यह केस चौंकाने वाला है। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई और कोलकाता पुलिस की रिपोर्ट में फर्क क्यों है? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एएसपी का आचरण बेहद संदिग्ध है। रात 11.30 बजे अप्राकृतिक मौत केस का केस दर्ज किया गया। शव के पास आपत्तिजनक चीजें मिलीं।

सबूतों से छेड़छाड़ हुई

जस्टिस पारदीवाला ने सीबीआई की महिला अधिकारी संयुक्त निदेशक से पूछा कि आपके दस्तावेजों और कोलकाता पुलिस के दस्तावेजों में फर्क क्यों है? सीबीआई की तरफ से पेश तुषार मेहता ने कहा कि कोलकाता में मौके पर छेड़छाड़ हुई। केस की लीपापोती करने की कोशिश की गई। अंतिम संस्कार के बाद एफआईआर दर्ज हुई। अस्पताल प्रशासन उदासीन रहा। वारदात पर पर्दा डालने की कोशिश की गई। घटनास्थल को संरक्षित नहीं किया गया। घटना की सूचना परिजन को देर से दी गई। परिवार को हत्या की नहीं सुसाइड की बात कही गई। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा घटनास्थल को संरक्षित क्यों नहीं किया गया? एफआईआर देर से दर्ज क्यों की गई? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जांच के नियमों की अनदेखी की गई। अस्पताल प्रशासन ने एक्शन नहीं लिया।

पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष सहित 4 डॉक्टर्स के होंगे पॉलीग्राफ टेस्ट

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष, एक सिविक वॉलेंटियर और चार जूनियर डॉक्टरों की पॉलीग्राफ टेस्ट करने की कोर्ट ने सीबीआई को अनुमति दे दी है। सीबीआई ने गुरुवार को कोलकाता के सियालदह कोर्ट से इस बाबत फरियाद की थी। कोर्ट ने सीबीआई की फरियाद के बाद पॉलीग्राफ टेस्ट करने की अनुमति दे दी है। बता दें कि कोलकाता में डॉक्टर रेप मामले में सीबीआई लगातार संदीप घोष से पूछताछ कर रही है, लेकिन उनके बयान में विसंगतियां पाई गई हैं। उसके बाद सीबीआई ने कोर्ट से पॉलीग्राफ टेस्ट के लिए फरियाद की थी। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 9 अगस्त को एक ट्रेनी डॉक्टर का रेप और मर्डर हो गया था। पुलिस ने मुख्य आरोपी संजय रॉय को अरेस्ट किया है।

ममता की मोदी को चिट्ठी- रोज 90 रेप केस हो रहे, सख्त कानून बनाएं

कोलकाता रेप-मर्डर केस में अब गुरुवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। ममता ने पीएम को लिखा कि देश में रोज दुष्कर्म के 90 मामले सामने आते हैं। इसे रोकने के लिए सख्त कानून बनना चाहिए। मौजूदा डेटा बताता है कि देश में रोज 90 रेप केस हो रहे हैं। ज्यादातर मामलों में रेप पीड़ित की हत्या हो जाती है। यह ट्रेंड भयावह है। यह समाज और देश के आत्मविश्वास और विवेक को झकझोर देता है। यह हमारा कर्तव्य है कि महिलाएं सुरक्षित महसूस करें। इसके लिए जरूरी है कि केंद्र सरकार एक कड़ा कानून बनाए, जिसमें इस तरह के जघन्य अपराध करने वाले को कड़ी सजा का प्रावधान हो। ऐसे मामलों को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाया जाना चाहिए। पीड़ित को जल्द न्याय मिल सके, इसके लिए जरूरी है कि ट्रायल 15 दिन में पूरा कर लिया जाना चाहिए।

चार साल में 1.20 लाख करोड़ की जीएसटी चोरी

59000 फर्जी कंपनियों की चल रही जांच, अब तक 170 गिरफ्तार

नई दिल्ली। बीते चार साल में देश में 1.20 लाख करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी पकड़ी गई है। इस दौरान 59,000 फर्जी कंपनियों का भी पता चला है। इनके खिलाफ जांच चल रही है। वित्त मंत्रालय ने यह जानकारी देते हुए बताया कि फर्जी तरीके से इनपुट क्रेडिट टैक्स का लाभ उठाने वाले 170 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। वित्त मंत्रालय ने कहा, टैक्स चोरी करने वालों की पहचान और उनके मास्टरमाइंड को पकड़ने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने मिलकर खास अभियान चला रखा है। इस बार यह अभियान 16 अगस्त से शुरू हुआ है और 15 अक्टूबर तक चलेगा। इसका मकसद संदिग्ध व फर्जी जीएसटीआईएन की पहचान करना, कंपनियों का सत्यापन और फर्जी बिल देने वालों को जीएसटी इकोसिस्टम से हटाने के उपाय करना शामिल है। अगर जीएसटीआईएन फर्जी है या मौजूद ही नहीं है, तो कर अधिकारी पंजीकरण को निलंबित करने और रद्द करने तथा इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) को रोकने की कार्रवाई शुरू करेंगे। राजस्व सचिव संजय मलहोत्रा ने कहा है कि कार्रवाई और कारोबार को आसान बनाने के बीच संतुलन की जरूरत है। जीएसटी रिटर्न में लागू किए गए हालिया बदलाव जैसे जीएसटीआर-1ए से व्यवस्थित तरीके से चोरी से निपटने के प्रयासों में मदद मिलेगी। जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय यानी डीजीजीआई को बीते साल मई में चलाए विशेष अभियान में 24,000 करोड़ रुपये से अधिक की संदिग्ध जीएसटी चोरी से जुड़े करीब 22,000 फर्जी पंजीकरणों का पता चला था। देश में करीब 1.4 करोड़ से अधिक जीएसटी पंजीकरण हुए हैं। हालांकि, इसमें से कुछ फर्जी तरीके से किए गए हैं। इस साल अप्रैल में रिकॉर्ड 2.10 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी संग्रह रहा है।

वर्ल्ड रिकॉर्ड की जंग : आंख पर पट्टी बांधकर, मुंह में छड़ी लेकर, नाक से सबसे तेज टाईपिंग करने का रिकॉर्ड

20 गिनीज रिकॉर्ड बनाकर टाइपिस्ट ने तोड़ा सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। दिल्ली के एक कंप्यूटर सेंटर संचालक ने क्रिकेट के भगवान माने जाने वाले सचिन तेंदुलकर को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। सचिन तेंदुलकर के नाम 19 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हैं, जबकि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व कर्मचारी और कंप्यूटर ऑपरेट ने 20 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिए हैं। दिल्ली के विनोद चौधरी ने यह सभी कीर्तिमान टाईपिंग के क्षेत्र में बनाए हैं। दुनिया के महान बल्लेबाजों में गिने जाने वाले पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के नाम कुल 19 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हैं। दिल्ली के विनोद चौधरी अब उनसे एक कदम आगे निकल गए हैं। विनोद चौधरी के नाम अब कुल 20 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हो गए हैं। हालांकि, सचिन ने यह कारनामा क्रिकेट के मैदान में किया, जबकि विनोद ने की-बोर्ड पर। विनोद चौधरी जेएनयू के पूर्व कर्मचारी हैं। फिलहाल वो एक कंप्यूटर ट्रेनर के तौर पर काम कर रहे हैं। वो दिल्ली के किरारी सुलेमान नगर गांव के रहने वाले हैं। 43 वर्षीय चौधरी ने अपने टाईपिंग का कमाल दिखाते हुए अब तक 19 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए थे। गुरुवार को उन्होंने इसी क्षेत्र में 20वां गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बना डाला। विनोद चौधरी ने आंख पर पट्टी बांधकर, मुंह में छड़ी लेकर, नाक से सबसे तेज टाईपिंग करने का रिकॉर्ड भी बनाया है।

सचिन तेंदुलकर के नाम ये हैं रिकॉर्ड

सचिन तेंदुलकर का नाम न केवल भारत में बल्कि दुनिया के महानतम क्रिकेटरों में गिना जाता है। उनके नाम सबसे ज्यादा टेस्ट मैच खेलने, इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक, इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का कारनामा शामिल है। हालांकि, साल 2013 में अपने 100 इंटरनेशनल क्रिकेट शतक पूरा होने के कुछ दिनों बाद सचिन तेंदुलकर ने क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। सचिन तेंदुलकर अब 51 साल के हो चुके हैं। अब उनका सबसे ज्यादा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का रिकॉर्ड भी टूट गया है। विनोद चौधरी ने इस बारे में बात करते हुए कहा कि सचिन को इसपर गर्व होगा कि उनका रिकॉर्ड किसी भारतीय ने तोड़ा है।

चांद पर हमारी जीत का एक साल... आज अपना पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाएगा भारत, चांद के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग की पहली सालगिरह पर पता चला- कैसे बने चांद और पृथ्वी

दो प्रोटोप्लैनेट की टक्कर से बन गए चांद और पृथ्वी

नई दिल्ली। भारत 23 अगस्त 2024 यानी आज अपना पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाएगा। केंद्र सरकार ने पिछले साल अंतरिक्ष और वैमानिकी के क्षेत्र में हासिल की गई एक अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण उपलब्धि का सम्मान करने के लिए इसकी घोषणा की थी। दरअसल, ?23 अगस्त 2023 को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रमा पर विक्रम लैंडर की सफल लैंडिंग के साथ एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। इस मिशन ने भारत को चांद पर उतरने वाला चौथा देश और दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के पास उतरने वाला पहला देश बना दिया। अब चंद्रयान-3 मिशन के एक साल पूरे होने पर नई जानकारी सामने आई है कि चांद और पृथ्वी कैसे बने। चंद्रयान-3 के रोवर प्रज्ञान की तरफ से की गई खोजों पर हुए अध्ययन में इस बात के अहम सुराग मिले हैं कि आखिर चांद बना कैसे होगा। इस महत्वपूर्ण खोज ने चंद्रयान-3 की उपलब्धियों के मुकुट में एक और मणि जोड़ दिया है। अहमदाबाद स्थित फीजिकल रिसर्च लैबोरेटरी (पीआरएल) और इसरो के वैज्ञानिकों की टीम रोवर पर लगे पेलोड में से एक अल्फा पार्टिकुलर एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (एपीएक्सएस) के जरिये जुटाए आंकड़ों का इस्तेमाल करके दक्षिणी ध्रुव के पास चांद की मिट्टी की बनावट का अध्ययन किया है। यह विश्लेषण चंद्रमा पर मिट्टी की माप से संबंधित है, जिसे प्रज्ञान रोवर द्वारा सतह पर 100 मीटर की दूरी तय करते हुए कई बिंदुओं पर रिकॉर्ड किया गया।

पांच साल में 70 सैटेलाइट लॉन्च किए जाएंगे

डॉ. सोमनाथ के मुताबिक इसरो की प्लानिंग है कि अगले पांच साल में इसरो 70 सैटेलाइट लॉन्च करेगा। इसमें निचली कक्षा में स्थापित होने वाले सैटेलाइट्स भी होंगे। वेदर सैटेलाइट्स, रिसोर्ससैट, कार्टोसैट सैटेलाइट्स भी इन्हीं 70 सैटलाइट्स में शामिल हैं। इसके अलावा कुछ उपग्रह रिमोट सेंसिंग और हाई रेजोल्यूशन इमेजिंग में काम आएंगे। इसरो ओशनसैट सीरीज के सैटेलाइट्स को और डेवलप करने की तैयारी में है। डिमॉन्स्ट्रेशन 1 और 2 सैटेलाइट्स भी छोड़े जाएंगे।

अब तैयार है चंद्रयान-4 और 5 की डिजाइन

इसरो प्रमुख डॉ. एस. सोमनाथ ने कहा है कि अगर सरकार अप्रूव कर दे, तो चंद्रयान-4 मिशन को जल्दी लॉन्च किया जा सकता है। क्योंकि इसरो ने चंद्रयान-4 और 5 की डिजाइन तैयार कर ली है। हम सिर्फ सरकार की तरफ से हरी झंडी का इंतजार कर रहे हैं।

चांद की सतह से पत्थर और मिट्टी लाएगा चंद्रयान-4

डॉ. एस. सोमनाथ के मुताबिक चंद्रयान-4 मिशन चंद्रमा की सतह से पत्थर और मिट्टी का सैंपल लेकर आएगा। इसमें सॉफ्ट लैंडिंग होगी। इससे ज्यादा जरूरी मिशन होगा स्पेस डॉकिंग। यानी चंद्रयान-4 को अंतरिक्ष में टुकड़ों में भेजा जाएगा। इसके बाद उसे स्पेस में ही जोड़ा जाएगा। यह काम इसरो पहली बार करने जा रहा है।

CNews सिटी चीफ
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
Fastest Growing Media Network
अवश्यकता है
इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलों में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।
डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं
डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम
डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़
रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे
9755996590

सिंगल कॉलम

प्रशासन की बगैर अनुमति के निकली साफा यात्रा, हो सकता है एक्शन

इंदौर। गोम्मटगिरी टेकरी के विवाद के बीच गुरुवार को निकली साफा यात्रा विवादों में फंस गई है। यात्रा नहीं निकलने के चेतावनी पुलिस ने यात्रा आयोजक सुरेश जैन को नोटिस देकर दी थी। इसके बावजूद यात्रा निकाल ली गई। अब प्रशासन एक्शन ले सकता है। विद्याधाम मंदिर से गोम्मटगिरी तक यात्रा निकालने की घोषणा के चलते सैकड़ों लोग एरोड्रम रोड पर एकत्र हो गए। दो हजार मीटर से ज्यादा लंबे साफे को पकड़ कर लोग यात्रा में शामिल हुए। घोड़े और बग्गी भी यात्रा में शामिल हुई,जबकि पुलिस ने गोम्मटगिरी विवाद के कारण यात्रा की अनुमति नहीं दी। यात्रा सर्वधर्म समाज की अगुवाई में निकाली गई। यात्रा की अनुमति के लिए सुरेश जैन ने आवेदन दिया था। जैन का कहना है कि उन्होंने 11 जुलाई को यात्रा की अनुमति के लिए आवेदन दिया था। बुधवार रात बताया गया कि यात्रा की अनुमति निरस्त हो गई है, जबकि यात्रा की तैयारी पूरी हो चुकी थी। गुरुवार सुबह तय समय पर यात्रा निकली और गोम्मटगिरी पर समाप्त हुई, हालांकि मौके पर विवाद की स्थिति नहीं बनी। गोम्मटगिरी को देवधरम टेकरी कहा जाता है। यहां गुर्जर समाज के आराध्य का प्राचीन मंदिर है,जबकि जैन समाज को दिग्विजय सिंह सरकार के समय यह जमीन दी गई। यहां जैन तीर्थ गोम्मटगिरी का निर्माण किया किया। तीन साल पहले जैन समाज यहां बाउंड्रीवॉल बना रहा था। गुर्जर समाज ने इस पर आपत्ति ली थी। उनका कहना था कि बाउंड्रीवॉल बनाकर हमारे मंदिर तक जाने का रास्ता रोका जा रहा है। हमारा मंदिर गोम्मटगिरी निर्माण से पहले बना हुआ है।

पति ने पेश किए पत्नी के आत्मनिर्भर होने के सबूत, नहीं देना होगा भरण-पोषण

इंदौर। पत्नी ने पति से बेटी और उसके लिए भरण-पोषण की मांग की लेकिन खुद की आय छुपा ली। बाद में पति ने कोर्ट को पत्नी के बैंक अकाउंट के बारे में जानकारी दी। बैंक खाते की जानकारी छिपाना पत्नी को महंगा पड़ गया। कोर्ट ने उसे पति से भरण-पोषण दिलवाने से मना कर दिया। कोर्ट ने माना की पत्नी अकाउंट की जानकारी नहीं दे रही है, इससे लगता है कि कोई न कोई काम जरूर कर रही है। ऐसी स्थिति में ये निष्कर्ष निकालना कि पत्नी के पास उसके और बच्ची के भरण-पोषण की व्यवस्था नहीं है, संभव नहीं है। पति-पत्नी दोनों कमा रहे हों तो बच्चे के भरण-पोषण की जिम्मेदारी भी दोनों की होती है। दरअसल, पत्नी इंदौर की रहने वाली है। पति अजमेर में रहता है। दोनों की साढ़े तीन साल की बेटी है। पति-पत्नी में अनबन के कारण पत्नी मायके में रह रही है। पत्नी की तरफ से फैमिली कोर्ट इंदौर में भरण-पोषण का केस दायर किया गया था। उसने पति से 50 हजार रुपए हर महीने दिलाए जाने की मांग कोर्ट से की थी। पति की तरफ से एडवोकेट जेएस ठाकुर ने कोर्ट को बताया कि पत्नी आत्मनिर्भर है। उसके बैंक अकाउंट में लेनदेन भी हो रहा है। इसके डॉक्यूमेंट भी पेश किए गए। आखिरकार कोर्ट ने माना की पत्नी ने अपनी इनकम और बैंक अकाउंट की डिटेल जानबूझकर नहीं बताई है। ऐसे में कोर्ट ने उसे भरण-पोषण दिलवाए जाने से मना कर दिया।

तुलसी नगर में मकानों के नक्शे हो सकेंगे मंजूर, नगर निगम ने जारी की सूचना

इंदौर। तुलसी नगर कालोनी के 535 प्लॉट के अब नक्शे मंजूर हो सकेंगे और नल कनेक्शन भी प्लॉटधारी ले सकेंगे। इसके लिए नगर निगम ने सार्वजनिक सूचना जारी की है। इस कॉलोनी में कई प्लॉटों पर विवाद है। बगीचे और मैदान की जमीन पर भी प्लॉट काटे गए है। नगर निगम ने एक एजेंसी से कॉलोनी का सर्वे कराया और ले आउट तैयार कराया। मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने कहा कि पहले दावे आपत्तियां आमंत्रित की गई थी। उसके निराकरण के बाद विकास शुल्क जमा करने की सार्वजनिक सूचना जारी की गई। रहवासी तुलसी नगर कॉलोनियों के सर्वे क्रमांक 264, 265, 269, 278, 287, 288, 289 और निपानिया गांव के सर्वे सर्व क्रमांक 34, 36, 40 41/1, 42 के भूखण्ड पर ही विकास शुल्क जमा कर सकते है। आपको बता दे कि तुलसी नगर कॉलोनी लंबे समय से वैध नहीं हो पा रही थी। विधानसभा चुनाव के पहले शहर की कई कॉलोनियों को वैध किया गया, लेकिन तुलसी नगर का मामला अटका हुआ था। इसे लेकर रहवासियों ने आंदोलन भी किया था। विधायक महेंद्र हार्डिया भी कॉलोनी को वैध कराने में लंबे समय से सक्रिय थे।

नई बिल्डिंग के बजाए रामपुरा कोठी में बनेगा अहिल्या स्मारक

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। देशभर में लोकमाता अहिल्या बाई होलकर ने अनेक मंदिर और घाट बनवाए हैं, लेकिन उनकी स्मृति में कोई बड़ा स्मारक उनकी कर्मस्थली इंदौर में नहीं बना। अब इसके निर्माण की तैयारी चल रही है। मध्य प्रदेश सरकार की तरफ से स्मारक के लिए गठित ट्रस्ट को एक रुपये लीज पर बाबू लाभचंद छजलानी मार्ग स्थित पुराने आरटीओ परिसर में तीन एकड़ जमीन मिल चुकी है। ट्रस्ट के पक्ष जमीन की रजिस्ट्री भी हो गई। इस स्मारक के लिए नई बिल्डिंग बनाने के बजाए मौजूदा रामपुरा कोठी का उपयोग होगा। जहां पहले क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय संचालित होता था। पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने इसके लिए देश के चार आर्किटेक्ट से चर्चा की है। अब जल्दी ही इसकी डिजाइन तैयार होगी। इसके बाद निर्माण शुरू होगा। पिछले माह मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इंदौर में महाजन के निवास पर जाकर चर्चा की थी। तब भी स्मारक को लेकर मुख्यमंत्री ने हर संभव सहयोग सरकार की तरफ से करने के लिए कहा था। रामपुरा कोठी दो मंजिला है। तलघर में पुरातत्व व परिवहन कार्यालय का वर्षों तक रिकॉर्ड रखा रहा। रखरखाव के अभाव में तलघर को काफी नुकसान हुआ है। कोठी में लकड़ी पर पुरानी कारीगरी भी की गई है। स्मारक की योजना से जुडे सुधीर देड़गे ने बताया कि कोठी की साफ-सफाई करा ली गई है। स्मारक की डिजाइन तैयार होते ही आगे का काम शुरू होगा। देवी अहिल्या के जीवन पर एक स्थाई डिजिटल संग्रहालय भी बनेगा।

रामपुरा कोठी होलकर राजपरिवार ने नवाबों के आरामगाह के लिए बनाई थी। कोठी का आर्किटेक्ट ब्रिटिश और मराठा शैली से मिलता जुलता है। करीब 150 साल पहले इसका निर्माण किया गया था। तलघर में लकड़ी का भी उपयोग किया गया है। इस कोठी के रखरखाव का जिम्मा 40 साल पहले लोक निर्माण विभाग को दिया था। विभाग ने परिवहन कार्यालय को भवन दे दिया था। पहले इस कोठी में कल्चरल सेंटर बनाने की योजना भी थी। तकरीबन 150 साल पुरानी इस कोठी का आर्किटेक्चर ब्रिटिश और मराठा शैली के भवनों से प्रेरित है। मराठा शैली में लंबे कॉरिडोर्स बनाए जाते थे। ऐसे कॉरिडोर यहां भी बने हैं। ब्रिटिश आर्किटेक्चर में नक्काशी और जालीदार काम कम होता है और आर्च बनाए जाते हैं। इस दो मंजिला कोठी के नीचे दो तलघर भी हैं। पहले तलघर में आरटीओ कार्यालय का रिकॉर्ड रखा हुआ था। कहा जाता है कि इसके नीचे वाले तलघर में कुछ सुरंगें थीं। इनमें से एक सुरंग इस कोठी से सीधे लालबाग पैलेस तक पहुंचाती है। हालांकि जानकार कहते हैं कि तलघर में कुछ रास्ते तो हैं, लेकिन सुरंग के होने के ठोस प्रमाण अब तक नहीं मिले हैं। इस तलघर को काफी समय पहले बंद कर दिया गया था। 1972-73 में होलकर स्टेट का निजी भवन होने से लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को इसकी देखरेख का जिम्मा सौंपा गया। पीडब्ल्यूडी ने यह इमारत आरटीओ कार्यालय चलाने के लिए परिवहन विभाग को दे दी। विभाग ने यहां अपने हिसाब से कई परिवर्तन किए थे। दूसरी मंजिल के तलघर को विभाग ने दीवार उठाकर बंद कर दिया था। पहली मंजिल के तलघर में रिकार्ड रूम बनाया था।

इंदौर में भाजपा ने शुरू किया सदस्यता अभियानः रविंद्र नाट्यगृह में हुआ प्रक्षिशण शिविर

सुमित्रा महाजन बोलीं- मैं आठ बार जीती,लेकिन सत्ता की सांसद दो बार ही रही

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर में भाजपा ने गुरुवार से सदस्यता अभियान की शुरुआत की। रविंद्र नाट्यगृह में आयोजित प्रक्षिशण शिविर में पूर्व सांसद सुमित्रा महाजन ने कहा कि मैं आठ बार चुनाव जीती, लेकिन सत्ता की सांसद दो बार रही। 13 दिन और 13 महीने की सरकार भी मैने देखी, लेकिन अब कार्यकर्ता भाग्यवान है। उनके कारण पार्टी ने विस्तार किया है, लेकिन राह आसान नहीं है। पार्टी को हमें और मजबूत करना है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि कई बार लोगों के मन में विचार होता है कि वे भाजपा के लिए काम करे, लेकिन हम उन तक पहुंच नहीं पाते है। सदस्यता अभियान के लिए हर कार्यकर्ता को घर-घर जाकर संपर्क करना होगा।

भाजपा प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह ने कहा कि इंदौर में संगठन मजबूत है। जो दूसरे जिलों के लिए मिसाल बनता है। भाजपा की सदस्यता भी यहां प्रदेश में सबसे ज्यादा होगी। अभियान के प्रदेश टोली प्रभारी जीतू जिराती ने कहा कि सदस्यता अभियान दो चरणों में होगा। 1 से 25 सितंबर तक सामान्य सदस्यता अभियान चलेगा,जबकि 1 से 25 अक्टूबर तक सक्रिय सदस्यता अभियान चलेगा।

भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे ने कहा कि संगठन का कोई भी अभियान हो। इंदौर से हमेशा सर्वश्रेष्ठ देने की अपेक्षा रहती है। इंदौर ने पांच लाख नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है। जिसे पूरा कर इंदौर भाजपा एक इतिहास बनाएगी। उन्होंने कहा कि हमें उन बूथों पर ज्यादा ध्यान देना है, जहां भाजपा को चुनाव में कम वोट मिलते है।

इंदौर नंबर वन पर होना चाहिए

इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह ने कार्यशाला में उपस्थित कार्यकर्ताओं से कहा कि इस संगठन महापर्व में सदस्यता अभियान के अंतर्गत भारत के जितने भी महानगर है उनमें इंदौर नंबर वन पर होना चाहिए। इंदौर शहर के कार्यकर्ताओं की बहुत बड़ी ताकत है, जैसी भी चुनौती होगी हम उसे स्वीकार करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जिस दिन सदस्यता लेंगे उसके पश्चात मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा सदस्यता ग्रहण करेंगे उसके पश्चात हमारी सदस्यता प्रारंभ होगी। उस दिन देश में दो प्रकार के संदेश पहुंचाना चाहिए। पहला अगर सदस्यता अभियान में नंबर वन कोई प्रदेश है तो वह मध्यप्रदेश है और कोई महानगर नंबर वन है तो वह इंदौर है। इतनी सदस्यता एक दिन में ग्रहण होनी चाहिए, जिसकी रूपरेखा हमें शक्तिकेंद्र एवं बूथस्तर तक बनानी है। प्रत्येक बूथ पर हमें सदस्यता सहायक संगठन की ओर से बनाना है एवं जिस दिन प्रधानमंत्री सदस्यता लेंगे उस रात को प्रवासी कार्यकर्ता को जिस बूथ की जिम्मेदारी दी जाएगी वह रात्रि विश्राम उस बूथ पर करने के साथ ही कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे एवं अगले दिन बूथ की टोली सदस्यता अभियान में जुट जाएगी। और शाम होते-होते एक नया इतिहास बनाते हुए इंदौर नंबर वन पर पहुंच जाएगा।

घर-घर जाकर पार्टी के सदस्य बनाएं

कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि सदस्यता अभियान के अंतर्गत प्रत्येक कार्यकर्ता को घर-घर जाकर पार्टी के सदस्य बनाने का प्रयास करना चाहिए। कई बार लोगों के मन में होता है कि हमें बीजेपी से जुड़ना है, पार्टी के लिए काम करना है पर हम ही उन तक नहीं पहुंच पाते, हमें इस विचार पर काम करना है कि समाज में दो तरह के लोग होते हैं एक स्वयंसेवक और एक भावी स्वयंसेवक ठीक उसी तरह हमें भी इस ही मनोभाव से सभी से संपर्क कर उन्हें भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता दिलवाने का कार्य करना है।

इंदौर ने पिछली बार से दोगुना लक्ष्य लिया

नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे ने कहा कि प्रदेश को संगठन का अभियान हो या कोई कार्यक्रम इंदौर से बहुत अपेक्षा रहती है। पूरे प्रदेश में 1.5 करोड़ का लक्ष्य लिया है तो इंदौर ने पिछली बार से दोगुना लगभग 5 लाख से ज्यादा सदस्य बनाने का लक्ष्य लिया है जिसको पूरा करते हुए हम एक इतिहास बनाने वाले हैं । अभियान के अंतर्गत हमें ऐसे बूथों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है जहां पर हमें अपेक्षा के अनुसार वोट प्राप्त नहीं होते। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता को अभियान के अंतर्गत माननीय दीनदयाल उपाध्याय जी के इस विचार पर काम करने की आवश्यकता है जैसा उन्होंने कहा था कि आज का हमारा विरोधी कल का हमारा मतदाता बनेगा कल का जो हमारा मतदाता है वह परसों का हमारा सदस्य बने और परसों का हमारा सदस्य भविष्य में हमारा सक्रिय कार्यकर्ता बने इस भाव को लेकर अगर हम कार्य करेंगे तो निश्चित ही हम सदस्यता अभियान में भी इतिहास रचेंगे।

सदस्यता अभियान दो चरणों में होगा

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष एवं अभियान की प्रदेश टोली के सदस्य जीतू जिराती ने कहा कि सदस्यता अभियान दो चरणों में होगा, जिसमें 1 सितंबर से 25 सितंबर तक सामान्य सदस्यता अभियान चलेगा। उसके पश्चात 1 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक सक्रिय सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। सदस्यता अभियान के लिए एक नंबर जारी किया गया है 88000020240 जिस पर मिस कॉल देने के पश्चात एक लिंक प्राप्त होगी उस लिंक को खोलने पर एक फॉर्म आएगा उस फॉर्म में अपनी जानकारी भरने के बाद दर्ज किये नंबर पर ओटीपी आएगा जिसे भरने के बाद व्यक्ति पार्टी का सदस्य बन जाएगा।

सदस्यता अभियान को लेकर पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता को नगर प्रभारी एवं सुधीर कोल्हे ,जवाहर मंगवानी एवं दिलीप शर्मा को टोली का सदस्य बनाया गया है।

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल बोले

9 खराब क्वालिटी के इंजेक्शनों के मामले मे जांच करेगी सरकार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मध्यप्रदेश में 9 जीवन रक्षक इंजेक्शनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है क्योंकि इनकी गुणवत्ता खराब पाई गई है। आईसीयू और ऑपरेशन थिएटर में उपयोग होने वाले ये इंजेक्शन अपेक्षित परिणाम नहीं दे रहे थे। सरकार इस मामले की गहराई से जांच कर रही है और इन इंजेक्शनों के विकल्पों पर भी विचार कर रही है। मेडिकल विशेषज्ञों के साथ बैठक कर इस संबंध में अंतिम निर्णय लिया जाएगा। पश्चिम बंगाल की एक घटना के बाद, प्रदेश के सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने गुरुवार शाम को इंदौर में यह जानकारी देते हुए कहा कि इस मामले में जांच, बैठक, विकल्प और आदेश पर चर्चा हुई है। जल्दी नतीजे पर पहुंचेंगे। पश्चिम बंगाल की घटना को लेकर उन्होंने कहा कि प्रदेश के सरकारी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और उसके आसपास के सुनसान इलाके जहां आवाजाही कम होती है वहां सीसीटीवी कैमरे लगाएंगे। सुरक्षा में कसावट लाई जाएगी। दरअसल उप मुख्यमंत्री विधायक रमेश मेंदोला के दिवंगत पिता स्व. चिंतामणि मेंदोला को श्रद्धांजलि देने उनके निवास पर आए थे। उनके साथ उप मुख्यमंत्री जगदीश देवडा, परिवहन और स्कूली शिक्षा मंत्री उदयप्रतापसिंह, अनुसूचित जाति विकास मंत्री नागरसिंह चौहान, अन्य ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

असरकारक नहीं हैं इंजेक्शन्स

9 इंजेक्शन के मामले में सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के सुपरिटेंडेंट डॉ. सुमित शुक्ला ने बताया कि ये आईसीयू और ऑपरेशन थिएटर में उपयोग किए जाने वाले इंजेक्शन्स हैं। इन दोनों यूनिट्स के डॉक्टरों द्वारा लगातार यह फीडबैक दिया जा रहा था कि एक इंजेक्शन देने से जो असर आना चाहिए उतना आ नहीं रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि दो से तीन इंजेक्शन भी देने पड़ रहे हैं। इसलिए शिकायत की गई। इसके बाद ड्रग इंस्पेक्टर ने सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे। इनमें से दो की रिपोर्ट घटिया क्वालिटी की आई है।

एमजीएम को मिला मध्य भारत का पहला एंडोजेनस ब्लड इरेडिएटर

इंदौर। महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज इंदौर को बीएआरसी (भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र) द्वारा निर्मित 50 लाख रुपये की लागत वाला एंडोजेनस ब्लड इरेडिएटर प्राप्त हुआ है। इसमें कोबाल्ट-60 स्रोत का उपयोग किया गया है। यह उपकरण मध्य भारत में अपनी तरह का पहला है और अब तक किसी भी निजी अस्पताल में भी इस उपकरण की सुविधा उपलब्ध नहीं है। अधीक्षक एमजीएम इंदौर डॉ. अशोक यादव ने बताया कि यह उन्नत उपकरण बोन मैरो ट्रांसप्लांट के मरीजों के लिए अत्यधिक लाभकारी है। यह ग्राफ्ट रिजेक्शन की संभावना को कम करता है साथ ही ग्राफ्ट वर्सेस होस्ट रिएक्शन को रोकने में मदद करता है, जिससे मरीजों के उपचार में बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे। उपकरण की कमीशनिंग और स्रोत स्थापना का कार्य प्रगति पर है। यह उपकरण प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा और चिकित्सा सुविधाओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

हाई स्पीड इमेजिंग तकनीक से एक सेकंड में सात लाख फ्रेम होंगे कैप्चर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। आईआईटी इंदौर ने डीआरडीओ के साथ मिलकर ऐसी हाई स्पीड इमेजिंग तकनीक विकसित की है, जिससे किसी भी प्रकार के धमाकों को देखने और समझने का तौर तरीका बदल सकता है। इसे प्रो. देवेंद्र देशमुख और उनकी टीम ने डिजिटल इनलाइन होलोग्राफी के सिद्धांतों के आधार पर तैयार किया है। इस तकनीक के जरिये इमेजिंग में 50 नैनो सेकंड तक का न्यूनतम एक्स्पोजर मिल सकता है। एक सेकंड में 7 लाख फ्रेम कैप्चर हो सकते हैं। इसमें हाई फ्रीक्वेंसी लेजर लाइट है, जो धूल, धुएं के बादलों के बीच से भी मुख्य ऑब्जेक्ट के इमेज को कैप्चर कर सकती है। इसका उपयोग सबसे ज्यादा किसी भी प्रकार के हथियार से होने वाले धमाकों को समझने के लिए रक्षा के क्षेत्र में किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, एक्सप्लोजन के बाद टुकड़ों के व्यवहार को स्पष्ट रूप से देखने और उनका विश्लेषण करने की क्षमता ऑफेंसिव और डिफेंसिव दोनों तकनीकों में सुधार ला सकती है।

तकनीक यहां भी आएगी काम

साथ ही अंतरिक्ष में फ्यूल स्प्रे पैटर्न से लेकर अंतरिक्ष यान पर डेबरिस के प्रभाव तक सब कुछ का अध्ययन करने के लिए उच्च गति इमेजिंग आवश्यक है। उद्योगों में इस तकनीक का इस्तेमाल मैन्युफैक्चरिंग सेटिंग्स में मटेरियल कटिंग, स्प्रे फॉर्मेशन और फ्लूइड मैकेनिक्स जैसी बहुत उच्च गति वाली प्रक्रियाओं का विश्लेषण करने के लिए किया जा सकता है। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने बताया कि इस विधि को जो चीज वास्तव में खास बनाती है, वह है टाइम रिजॉल्यूशन को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने की क्षमता। जबकि पारंपरिक तरीके से 1 माइक्रो सेकंड एक्सपोजर समय तक सीमित थे, वहीं यह नई तकनीक 50 नैनो सेकंड से भी कम एक्सपोजर समय के साथ छवियों को कैप्चर कर सकती है। यह प्रणाली प्रति सेकंड 7 लाख फ्रेम तक रिकॉर्ड करने में सक्षम है। जिससे शोधकर्ताओं को एक्सप्लोजन के दौरान कणों के व्यवहार का वास्तविक समय पता चलता है। टाइम रिजॉल्यूशन में यह प्रभावशाली वृद्धि धूल, धुएं या अन्य दृश्य अवरोधों से भरे वातावरण में भी तेज गति से गतिविधि करने वाली वस्तुओं की अधिक विस्तृत ट्रैकिंग में सहायता करती है।

फ्रीक्वेंसी लाइट सोर्स का इस्तेमाल

प्रो. देवेंद्र देशमुख ने बताया कि इस इमेजिंग के लिए एक हाई फ्रीक्वेंसी लाइट सोर्स का इस्तेमाल किया गया है।

इस लाइट सोर्स को घने धूल के बादलों को भेदने की इसकी क्षमता के लिए चुना गया है। लाइटिंग के लिए ऑप्टिक्स सेटअप में हाई-स्पीड लेजर को शामिल करके टीम ने पुरानी तकनीकों की सबसे बड़ी परेशानी का हल खोज लिया है।

हिंडनबर्ग के बहाने भोपाल में कांग्रेस ने दिखाई ताकत, आक्रामक अंदाज में उतरे नेता

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। कांग्रेस ने अडाणी-हिंडनबर्ग मामले की जेपीसी जांच और सेबी चीफ के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकताओं के बीच झड़प हुई। बैरिकेड से आगे बढ़ रहे कांग्रेसियों को रोकने के लिए पुलिस को वाटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा। दरअसल, कांग्रेस कार्यकर्ता अरेरा हिल्स स्थित प्रवर्तन निदेशालय के कार्यालय पर प्रदर्शन करने जा रहे थे। पुलिस ने उन्हें बोर्ड ऑफिस चौराहे पर रोक लिया। इस दौरान कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद और महेश परमार ने बैरिकेड पर चढ़ने की कोशिश की। पुलिस ने वाटर कैनन का प्रयोग करके उन्हें रोका। कुछ लोग वाटर कैनन चलाने के दौरान बैरिकेड से गिर पड़े हैं। इससे पहले कांग्रेस कार्यकर्ता मंजीरे बजाते हुए कार्यालय से निकले और व्यापमं चौराहे पर पहुंचे। यहां सभा हुई। सभा को वरिष्ठ नेताओं ने संबोधित किया है। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने जमकर बीजेपी की सरकार पर हमला बोला है। गौरतलब है कि यह प्रदर्शन देशभर में अडाणी समूह पर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद हो रहे विरोध प्रदर्शनों का हिस्सा था। हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी समूह पर धोखाधड़ी

और शेयर बाजार में हेरफेर का आरोप लगाया है। कांग्रेस पार्टी इस मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की मांग कर रही है। प्रदर्शन में शामिल हुए कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार पर अडाणी समूह को बचाने का आरोप लगाया।

बोर्ड ऑफिस से ईडी कार्यालय पैदल जाने का था प्लान

मध्य प्रदेश कांग्रेस के नेता पीसीसी दफ्तर से पैदल मार्च करते हुए व्यापमं चौराहे पहुंचे, जहां नेताओं ने कार्यकताओं को संबोधित किया। संबोधन के बाद व्यापमं चौराहे से पैदल मार्च करते हुए ईडी दफ्तर पहुंचने के पहले पुलिस ने उन्हें रोक दिया। पुलिस द्वारा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बैरिकेडिंग कर रोका गया। कांग्रेस कार्यकर्ता बैरिकेड पर चढ़ गए। इसके बाद पुलिस ने वाटर कैनन का प्रयोग किया। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह और पीसीसी जीतू पटवारी भी बैरिकेड पर चढ़ गए। इस बीच, पुलिस बल और कांग्रेस कार्यकताओं में झड़प भी हुई। धरना-प्रदर्शन में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे और कमलेश्वर पटेल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कांतिलाल भूरिया, पूर्व नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह, विधायक अजय सिंह समेत कार्यकर्ता मौजूद रहे।

20 प्रतिशत लोगों के पास देश की 80त्न संपत्ति

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने प्रदर्शन से पहले कहा कि 20 फीसदी लोगों के पास देश की 80 प्रतिशत संपत्ति चली गई। 10 साल में जो गरीब थे उनकी संख्या दोगुनी हो गई और नरेंद्र मोदी के जो हम दो हमारे दो थे उनके पास देश की संपत्ति के 60 प्रतिशत हिस्सा पहुंच गया है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट दो बार सार्वजनिक हुई, जिसमें फर्जी कंपनियों के माध्यम से 20 हजार करोड़ की अदाणी के शेयर में हेराफेरी हुई। रिपोर्ट आने के बाद अदाणी का शेयर धड़ाम से नीचे गिर गया। जब राहुल गांधी ने इस मामले को देश के सामने उठाया और कहा कि मोदी की सरकार गरीबों का पैसा लूटती है और अमीरों की जेब भर्ती है। सेबी जो शेयर बाजार पर निगाह रखती है उसी के डायरेक्टर की संपत्ति पांच साल में चार गुना हो गई।

शेयर धारकों के साथ छलावा, देश में ईडी का अलग कानून

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि शेयर धारकों के साथ छलावा किया जा रहा है। बंद कमरों के अंदर उसके साथ धोखा करके शेयर के भाव बढ़ाए जाते हैं। देश के हजारों शेयर निवेशकों की बात भारतीय जनता पार्टी नहीं करना चाहती। भाजपा सिर्फ अपने लोगों का पैसा कैसे बढ़े, इस पर काम करती है। उन्होंने कहा कि शेयर मार्केट में कई कर्ज में डूब गए। लेकिन, अदाणी की कंपनी के शेयर का कुछ नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि ईडी का नया कानून चलता है। पुलिस जब आरोपी बनाती है तो गवाह और बयान के आधार पर बनाती है। ईडी को किसी गवाह और बयान की जरूरत नहीं है। किसी को भी फंसा सकती है। यह देश में कैसा काला कानून है।

भाजपा नेताओं को सीएम मोहन यादव ने दिया ऑफर

बीजेपी के ज्यादा सदस्य बनाने वालों को सरकार में मिलेगा पद

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। सदस्यता अभियान को लेकर बीजेपी पार्टी कार्यालय में बैठक हुई है। इस बैठक में सीएम मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा भी मौजूद रहे हैं। साथ ही पार्टी के अन्य बड़े नेता भी शामिल हुए हैं। इस बार मध्य प्रदेश में बीजेपी ने डेढ़ करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए सीएम मोहन यादव ने पार्टी नेताओं को ऑफर दिया है। उन्होंने कहा है कि जो ज्यादा सदस्य बनाएंगे, उन्हें आने वाले दिनों में सरकार में मौका मिलेगा। इसके साथ ही सीएम ने कहा कि प्रदेश की आधी आबादी बीजेपी के साथ जुड़े, यही हमारा लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में हारी हुई सीटों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। हमें उन इलाकों, कॉलोनियों और मोहल्लों में जाना होगा, जहां हम पिछली बार पहुंच नहीं पाए थे। सीएम मोहन यादव ने कहा कि जल्द ही कई सरकारी समितियों का गठन होने वाला है, जिनमें रोगी कल्याण समिति, जनभागीदारी समिति आदि शामिल हैं। इन समितियों में लोगों को जोड़ने का काम हमारे कार्यकर्ता करेंगे और इसके लिए जरूरी है कि ज्यादा से ज्यादा लोग पार्टी से जुड़ें। उन्होंने कहा कि अभी तुरंत बाद बहुत सारी समितियां बनने वाली हैं। रोगी कल्याण समिति, जनभागीदारी समिति, एल्डरमैन ऐसे बहुत सारे काम सरकार के विभिन्न व्यवस्थाओं से जुड़कर अभी आने वाले हैं। अब अपने पास मौका है, आप सदस्यता करके बताओ। आप आगे बढ़ो,

हम आपके पीछे चलेंगे। चुने हुए जनप्रतिनिधियों को भी मौका मिल जाएगा।

165 सीटें जीतकर सरकार बनाई

मुख्यमंत्री ने 2023 के विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि 230 में से 165 सीटें जीतकर हमने फिर से सरकार बनाई है, लेकिन 16 सीटें ऐसी हैं जहां हमें और मेहनत करनी होगी। हमें देखना है कि कौन सी कॉलोनी, मोहल्ले अछूते रह गए। जिस तरह एयरपोर्ट पर एस्केलेटर चलता है, एक कदम रखो, तो वह खुद ही ऊपर ले जाता है। इसी तरह अपने काम को संगठन से एस्केलेटर की तरह जोड़ें। हम अपनी गति बढ़ाए, तो खुद ही समाज की स्वीकार्यता बढ़ती जाएगी।

सदस्यता अभियान में झोंक देंगे पूरी ताकत

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता को इस अभियान में अपनी पूरी ताकत झोंकनी होगी। उन्होंने कहा कि एक-एक शक्ति केंद्र पर ध्यान देना होगा। नए प्रयोग करना होंगे। कौन सा वर्ग हमसे छुटा हुआ है, उस पर ध्यान दें। विधानसभा और लोकसभा चुनाव में किस वर्ग का वोट हमें नहीं मिला इस पर फोकस करें। अवसर पर काम होता है तो इतिहास बनाता है। वीडी शर्मा ने कहा कि प्रदेश में 2 करोड़ 24 लाख वोट लोकसभा में मिला। लोकसभा में हारी हुई विधानसभा पर हमें फोकस करना होगा। राज्यसभा सांसद को भी हारी हुई विधानसभा पर काम करना होगा।

कमलनाथ के इशारे पर छिंदवाड़ा की कार्यकारिणी भंग

एमपी कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी को लेकर घमासान जारी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश में कांग्रेस को विधानसभा में मिली हार के बाद नए प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए जीतू पटवारी नई कार्यकारिणी बनाने के लिए लगातार मंथन कर रहे हैं। काफी समय बीत गया है लेकिन अभी तक कार्यकारिणी का गठन नहीं हो पाया है। लगातार प्रदेश और दिल्ली में हुई बैठक के बाद अनुमान लगाया जा रहा था कि अगस्त माह में ही कार्यकारिणी की घोषणा कर दी जाएगी लेकिन अब ऐसा होता नजर नहीं आ रहा है। कार्यकारणी के लिए कार्यकताओं को अभी इंतजार करना होगा। दरअसल कार्यकारिणी गठन को लेकर गुरुवार को भोपाल पहुंचे प्रदेश कांग्रेस प्रभारी जितेंद्र सिंह ने कहा कि काम करने वाले जमीनी कार्यकर्ताओं को कार्यकारिणी में जगह मिलेगी। जमीन पर काम करने वाले कार्यकर्ताओ के नामों पर विचार किया जा रहा है। पूरे समय पार्टी के लिए काम करने वालो को कार्यकारिणी में जगह मिलेगी। प्रदेश प्रभारी ने पुरानी कार्यकारिणी पर सवाल उठाते हुए कहा कि पहले की कार्यकारिणी में 1 हजार पदाधिकारी शामिल थे। सिर्फ पद लेकर घर पर बैठे थे, अब सिर्फ काम करने वालो को जिम्मेदारी मिलेगी। इधर कमलनाथ और नकुल नाथ के इशारे पर छिदवाड़ा और पांढुर्ना जिले की कार्यकारणी भंग कर दी गई है। जानकारी के अनुसार इसकी जानकारी पीसीसी चीफ को नहीं दी गई है। इसे लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं।

जीतू पटवारी को बगैर जानकारी दिए जारी किया प्रेस नोट

इधर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी को जानकारी दिए बिना छिंदवाड़ा कार्यकारिणी भंग की गई है। छिंदवाड़ा कांग्रेस ने कार्यकारिणी को एक दिन पहले भंग करने का प्रेस नोट जारी किया है। प्रेस नोट में कमलनाथ और नकुलनाथ के चर्चा के बाद कार्यकारिणी भंग करने का जिक्र है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी का प्रेस नोट में कोई जिक्र नहीं है। दरअसल जीतू पटवारी के अध्यक्ष बनने के बाद से पार्टी की गुटबाजी खुलकर सामने आ रही है। पटवारी के आने के बाद अब तक आधा दर्जन पूर्व मंत्री और तीन कांग्रेस विधायक पार्टी छोड़ चुके हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उसे अध्यक्ष के रूप में अब तक स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं।

कमलनाथ और नकुलनाथ से चर्चा के बाद भांग की कार्यकारिण

जारी प्रेस नोट में लिखा कि मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व पूर्व सांसद नकुलनाथ से चर्चा के उपरांत कांग्रेस की समस्त कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया है। आगामी दिनों में जल्द ही नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। छिन्दवाड़ा जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे व पांढुर्ना जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश झलके द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार छिन्दवाड़ा व पांढुर्ना की जिला कांग्रेस, शहर कांग्रेस, ब्लॉक कांग्रेस, क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी, पर्यवेक्षक, प्रभारी, चारों मोर्चा संगठन की कार्यकारिणी, समस्त प्रकोष्ठों व विभाग को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया है। दोनों ही जिला कांग्रेस अध्यक्षों ने बताया कि नगर, गांव व कस्बों से लेकर जिला मुख्यालय तक जल्द ही कांग्रेस की नई टीम तैयार होगी जिसकी कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। आगामी दिनों में जिला छिन्दवाड़ा व जिला पांढुर्ना की सशक्त व ऊजार्वान टीम मैदान में नजर आयेगी।

डिप्टी सीएम के बंगले के पास युवक को चाकू मारकर की लूट

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल के हाई सिक्योरिटी जोन 74 बंगला इलाके में युवक के साथ चाकू मारकर लूट की वारदात सामने आई है। यह वारदात डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा के घर के पास ऑटो सवार बदमाशों ने अंजाम दी। युवक से मोबाइल फोन और नकदी लूटकर बदमाश फरार हुए हैं। टीटी नगर पुलिस ने इस मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ लूट का केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक आर्केस्ट्रा में काम करने वाला नरेंद्र सिंह राजपूत प्रोफेसर कॉलोनी में रहता है। बुधवार की रात जवाहर चौक स्थित शर्मा भोजनालय पर खाना खाने के बाद वह सड़क पर खड़ा होकर सवारी ऑटो का इंतजार कर रहा था। तभी उसके पास एक सवारी ऑटो आया। उसमें पहले से ही दो-तीन लोग बैठे थे। ऑटो चालक ने युवक से पूछा कि कहां जाना है, तो उसने कहा कि प्रोफेसर कॉलोनी। इस पर ऑटो चालक ने कहा कि वह भी वहीं जा रहा है, और उसे वह छोड़ देगा। चालक की बातों में आकर युवक ऑटो में बैठ गया, और कुछ दूर चलने के बाद डिप्टी सीएम के बंगले के पास ऑटो चालक और उसके साथियों ने युवक के साथ मारपीट कर उसका मोबाइल फोन और नकदी लूट ली। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। इसके बाद युवक थाने पहुंचा और पूरी बात पुलिस को बताई। पुलिस ने युवक की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस उस रूट पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। जिससे ऑटो नंबर मिल सके और वह आरोपियों तक पहुंच सके। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

शेयर मार्केट में इंवेस्टमेंट के नाम से ठगने वाले गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल के कोहेफिजा में रहने वाले कारोबारी से शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट के नाम पर 9.35 लाख की ठगी करने वाले तीन आरोपियों को साइबर क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। तीनों भुसावल महाराष्ट्र के रहने वाले हैं। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों बताया कि उन्होंने केवल अपने खाते इस्तेमाल को दिए थे। इसके एवज में उन्हें महज 20-20 हजार रुपए मिले थे। ठगी किसने की, रकम आगे कहां गई इसकी जानकारी नहीं है। हालांकि पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक मोहम्मद जैनुल निवासी कोहेफिजा ने दो महीने पहले थाना साइबर क्राइम भोपाल में लिखित शिकायत की थी। इसमें बताया कि उनके वॉट्सऐप पर करण बिरला नाम के व्यक्ति ने कॉल किया था। उसने स्वयं को शेयर ब्रोकर बताया था। ट्रेडिंग के लिए ढटलृऊऋउ नाम के एप्लिकेशन डाउन लोड कराई। इसके बाद इस

एप्लिकेशन से सहराज सोलार नाम की कंपनी में इन्वेस्ट करने पर बड़ा मुनाफा कमाने का लालच दिया। आरोपी की बातों में आने के बाद फरियादी ने तीन बार में उसके बताए खाते में 9.35 लाख रुपए जमा कर दिए। बाद में ऐप लॉक कर दिया गया, आरोपी का वॉट्सऐप नंबर भी बंद हो गया। साइबर जालसाज लोगों को वॉट्सऐप पर शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करने के नाम पर मैसेज भेजते हैं। लोगों को शेयर मार्केट में बड़ी कंपनियों के नाम से इन्वेस्ट करने पर कम समय में अधिक मुनाफा कमाने का लालच देते हैं। नामी कंपनियों से मिलता-जुलता एप्लिकेशन बनाया जाता है। लोग जब पहली बार कंपनी में इन्वेस्ट करते हैं, तब उनको मुनाफा सहित जमा की गई राशि वापस कर दी जाती है। इसके बाद बड़ी राशि इन्वेस्ट की जाती है, तब उनको कोई पैसा वापस नहीं किया जाता है।

ऐसे आरोपियों तक पहुंची पुलिस

साइबर क्राइम ने मैदानी स्तर पर प्राप्त साक्ष्य एवं तकनीकी एनालिसिस के आधार पर प्राप्त साक्ष्य के आधार पर अपराध कारित करने में उपयोग किए गए वॉट्सऐप नंबर, एप्लिकेशन एवं बैंक खातों के वास्तविक उपयोग कर्ता की तकनीकी जानकारी प्राप्त की गई। इसके बाद मैदानी स्तर पर टीम के सदस्यों द्वारा प्रयास कर वास्तविक आरोपियों को बैंक खाता बेचने वाले आरोपियों की पहचान की गई। तकनीकी एवं मैदानी स्तर पर प्राप्त जानकारी के आधार पर गिरोह को पैसे लेकर खाता बेचने वाले तीन आरोपियों को भुसावल महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया। आरोपियों से वारदात में प्रयुक्त 3 मोबाइल फोन, 5 सिम कार्ड जब्त किए हैं। अन्य फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

गांव वाली फीलिंग और देसी खाना... होटल से कम नहीं एमपी का 'होम स्टे'

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। ग्रामीण इलाकों में खेती-किसानी, पशुपालन और कुटीर उद्योग ही रोजगार तथा आय का जरिया हुआ करते हैं। मगर मध्यप्रदेश के कई ग्रामीण इलाकों के लोगों ने रोजगार का नया रास्ता तैयार किया है और वह है 'होम स्टे'। राजधानी भोपाल के पड़ोसी जिले सीहोर की ग्राम पंचायत है खारी। राजधानी से लगभग 30 किलोमीटर दूरी पर मुख्य मार्ग से कुछ किलोमीटर अंदर की ओर स्थित इस गांव में रोजगार का नया मॉडल तैयार हो रहा है। यहां के लोगों ने अपने आवास के ही आसपास के खाली पड़े स्थान पर ग्रामीण परिवेश को समेटे हुए होम स्टे बनाया है। यह सुविधाओं के मामले में किसी होटल से कम नहीं है, मगर ग्रामीण परिवेश का अंदर से लेकर बाहर तक एहसास कराते हैं।

20 लोगों का मिला रोजगार

इस गांव के कई परिवारों की जिंदगी में आए बदलाव की एक कहानी है। युवा कमलेश गौर बताते हैं कि उन्हें पर्यटन विकास निगम की होम स्टे योजना का पता चला। इसमें सरकारी मदद भी मिलती है और आखिरकार वे इस दिशा में बढ़ चले। गांव के 20 लोगों ने तय किया कि वह अपने-अपने घरों के खाली पड़े स्थान पर होम स्टे बनाएंगे। अब तक नौ लोग इस योजना को मूर्त रूप देने में सफल हुए हैं। एक तरफ जहां उन्हें रोजगार मिला है, वहीं दूसरी ओर उनके परिवार की व्यस्तताएं भी बढ़ गई हैं। जो पर्यटक आते हैं वे यहां विश्राम करते हैं और आसपास के इलाकों का भ्रमण करने

के बाद ग्रामीण परिवेश का भोजन करना भी पसंद करते हैं। इस स्थिति में उनकी आय का एक बड़ा जरिया बन गया है होम स्टे।

10 से 15 दिन तक रहता है बुक

एक होम स्टे के मालिक हेमराज गौर बताते हैं कि उन्हें यह अंदाजा ही नहीं था कि इस तरह का प्रयोग उनकी जिंदगी में बड़ा बदलाव ला सकता है। यही कारण रहा कि उन्होंने बहुत ज्यादा विचार किए बिना अपने घर के बाहरी हिस्से की खाली जमीन पर यह होम स्टे बनवाया। हर माह 10 से 15 दिन यह होम स्टे बुक रहता है। वहीं आने वाले नए-नए लोगों से संपर्क भी बढ़ता है।

ग्रामीण जनजीवन का मजा

एक अन्य होम स्टे के मालिक मुकेश गौर का कहना है कि वे एक तरफ अपनी खेती किसानी करते रहते हैं तो वहीं दूसरी ओर यहां आने वाले पर्यटकों के जरिए भी उनकी आय हो जाती है। यहां विभिन्न कॉलेजों के छात्र-छात्राओं के अलावा कई कंपनियों और संस्थाओं के अधिकारी भी आते हैं। वे यहां पूरे ग्रामीण जनजीवन का मजा तो लेते ही हैं, साथ में आसपास के पर्यटन स्थल भी घूम आते हैं।

आय का एक हिस्सा गांव के विकास में लगाएंगे

होम स्टे बनाने वालों ने तय किया है कि वे अपनी वार्षिक आय में से एक हिस्सा गांव के विकास में भी लगाएंगे और इसके साथ उनकी कोशिश यह भी है कि जिन 20 लोगों ने होम स्टे बनाने का तय किया था, वह सभी बनकर तैयार हो जाएं। जिससे लोगों को रोजगार मिलेगा, गांव में पर्यटक आएंगे तो गांव के व्यापार में भी बढ़ोतरी होगी और जो आमदनी होगी, इसका एक हिस्सा गांव की सड़क सुधारने में, नाली सुधारने में और अन्य कामों में लगाया जाएगा।

सम्पादकीय

दरिंदगी की हदें भी पार कर चुकी 'पाशविक हवस'

अब हालात ये बन गए हैं कि बेशक बेटी 3-4 साल की हो और स्कूल जाना शुरू ही किया हो। बेटी बड़ी होकर कॉलेज में पढ़ती हो अथवा गहन पढ़ाई करके डॉक्टर बनी हो और एक सरकारी अस्पताल में कार्यरत हो। बेटी कहीं जाने के लिए राज्य परिवहन की बस में बैठी हो या बाजार में किसी काम से गई हो। उम्र 60 पार कर चुकी हो! अब ऐसी बेटियां, नाबालिग या बालिग लड़कियां अथवा उम्रदराज महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं।

सर्वोच्च अदालत में प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में तीन न्यायाधीशों की पीठ कोलकाता रेप-मर्डर कांड की सुनवाई कर रही है। सर्वोच्च अदालत ने इस कांड का स्वत: संज्ञान लिया है। बंगाल सरकार और पुलिस को खूब फटकार लगाई है और उनकी भूमिका पर कई सवाल उठाए हैं। सरकारें बड़ी मोटी खाल की होती हैं। फटकार का उन पर कोई असर नहीं पड़ता। बेशक संदर्भ कोलकाता अस्पताल में एक युवा टे:नी डॉक्टर के साथ बर्बर बलात्कार और बाद में हत्या का है, लेकिन शीर्ष अदालत का सरोकार राष्ट्रीय है। खासकर अस्पतालों में महिला डॉक्टर और नर्स आदि कैसे सुरक्षित रहें, इसके मद्देनजर एक टास्क फोर्स बनाने और अस्पतालों की सुरक्षा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को सौंपने के महत्वपूर्ण फैसले सुनाए गए हैं। प्रधान न्यायाधीश की यह टिप्पणी देशवासियों की आत्मा में लगातार गूंजती रहनी चाहिए कि बदलाव के लिए देश एक और दुष्कर्म और हत्या का इंतजार नहीं कर सकता। टास्क फोर्स को अपनी अंतरिम रपट तीन सप्ताह में देनी है और अंतिम रपट दो माह की अवधि में देनी है। फोर्स महिला सुरक्षा के उपाय सुझाएगी। गौरतलब यह है कि निर्भया कांड के एक साल बाद पूर्व प्रधान न्यायाधीश जस्टिस जेएस वर्मा की अध्यक्षता में सख्त पॉक्सो एक्ट बनाया गया। उसके बाद पॉश (प्रिवेंशन ऑफ सेक्सुअल हैरासमेंट ऑफ वूमन एट वर्कप्लेस) एक्ट बनाया गया। फांसी की सजा का प्रावधान रखा गया। क्या इन कानूनों ने बलात्कारियों को डराया? हमारी व्यवस्था में कई विसंगतियां हैं। करीब 2.43 लाख केस फास्ट टै:क कोर्ट में लंबित पड़े हैं। इनमें पॉक्सो केस भी हैं। हर रोज बलात्कार के केस आ रहे हैं और सरकारें फास्ट टै:क कोर्ट के आश्वासन देती रहती हैं। पीड़िता को इंसाफ मिलना बहुत दूर की कौड़ी है। बहरहाल अब मौजूदा संदर्भ में सर्वोच्च अदालत के अंतिम फैसले की प्रतीक्षा है, लेकिन आदमी की 'पाशविक हवस' अब दरिंदगी की हदें भी पार कर चुकी है। हम बलात्कारियों, हत्यारों को इनसान नहीं मान सकते, वे जानवर से भी अधिक खौफनाक हैं। अब हालात ये बन गए हैं कि बेशक बेटी 3-4 साल की हो और स्कूल जाना शुरू ही किया हो। बेटी बड़ी होकर कॉलेज में पढ़ती हो अथवा गहन पढ़ाई करके डॉक्टर बनी हो और एक सरकारी अस्पताल में कार्यरत हो। बेटी कहीं जाने के लिए राज्य परिवहन की बस में बैठी हो या बाजार में किसी काम से गई हो। उम्र 60 पार कर चुकी हो और विधवा महिला हो! अब ऐसी बेटियां, नाबालिग या बालिग लड़कियां अथवा उम्रदराज विधवा महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं। वे सामूहिक दुष्कर्म का शिकार हो रही हैं। आखिर यह देश कैसा बन गया है? कोई भी राज्य इन जघन्य, बर्बर अपराधों से अछूता नहीं है। अभी तो सर्वोच्च अदालत के सामने वे ही तथ्य और आंकड़े आएंगे, जो पुलिस ने दर्ज किए होंगे। जिन्हें डर, खौफ के कारण दर्ज नहीं कराया गया अथवा पुलिस ने टालमटोल कर अपराध पर मिट्टी डाल दी, उन अपराधों का संज्ञान कौन लेगा? 2012 के नई दिल्ली के 'अमानवीय' निर्भया कांड के बाद भी 3.33 लाख बलात्कार किए गए हैं, जबकि 1971-2022 के लंबे कालखंड में 8.23 लाख बलात्कार के केस दर्ज किए गए थे। बलात्कार किस गति और अनुपात से बढ़ रहे हैं, आश्चर्य होता है। क्या देश में बेटियां, बहनें और महिलाएं सिर्फ 'बलात्कार की वस्तु' बनकर रह गई हैं? क्या अब वे 'देवी' नहीं रहीं? सर्वोच्च अदालत के न्यायाधीशों ने ऐसे हालात, परिवेश, अपराधों पर चिंता जताई है। उससे क्या होगा? कल ही 32 लंबे सालों के बाद औरतों को इंसाफ मिला है-आधा, अधूरा। 1992 में 100 लड़कियों के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था। विशेष अदालत ने सिर्फ 6 अपराधियों को आजीवन कारावास की सजा दी है। मौजूदा संदर्भों में क्या न्याय मिलेगा, देखते हैं। हाल ही में अजमेर दुष्कर्म मामले पर फैसला आया है।

बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति चिंताजनक

अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है। यह दुष्प्रवृत्ति बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर तो नकारात्मक प्रभाव डाल ही रही है, इसे भविष्य में समाज की शांति के लिए बड़ा खतरा भी मानना चाहिए। राजस्थान के उदयपुर के स्कूल में दो छात्रों के आपसी विवाद में चाकू मारने से एक छात्र की मौत भी बच्चों में पनप रहे इसी हिंसक बर्ताव का घिनौना एवं घातक रूप है।

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति चिंताजनक है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। कई घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है। यह दुष्प्रवृत्ति बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर तो नकारात्मक प्रभाव डाल ही रही है, इसे भविष्य में समाज की शांति के लिए बड़ा खतरा भी मानना चाहिए। राजस्थान के उदयपुर के स्कूल में दो छात्रों के आपसी विवाद में चाकू मारने से एक छात्र की मौत भी बच्चों में पनप रहे इसी हिंसक बर्ताव का घिनौना एवं घातक रूप है।

बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है! पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर उसकी सोच-समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मनस्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अभिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा? बच्चों के बस्ते की औचक जांच की व्यवस्था की अपनी अहमियत हो सकती है। मगर जरूरत इस बात की है कि बच्चों के भीतर बढ़ती हिंसा और आक्रामकता के कारणों को दूर करने को लेकर गंभीर काम किया जाए। उदयपुर की घटना के पूरे मामले की पुलिस अपने तरीके से जांच करेगी, लेकिन किशोर अवस्था में ऐसी घटना को अंजाम देने के पीछे बच्चे की मानसिकता का पता लगाना भी ज्यादा जरूरी है। तहकीकात स्कूल की व्यवस्थाओं की भी होनी चाहिए कि आखिर बच्चा स्कूल में हथियार लेकर कैसे आ गया? इसमें दो राय नहीं कि किशोरवय में राह भटकने का खतरा ज्यादा रहता है। उम्र के इस पड़ाव पर उनको सही राह दिखाने की जिम्मेदारी परिजन और शिक्षक की ही होती है। आज दोनों ही कहीं न कहीं अपनी जिम्मेदारी से दूर होते नजर आ रहे हैं। स्कूल में केवल किताबी ज्ञान पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। वहीं अर्थप्रधान दुनिया में माता-पिता के पास बच्चों के साथ बिताने के लिए समय ही नहीं बच पा रहा।

मन जो चाहे वही करो की मानसिकता वहां पनपती है जहां इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, जहां व्यक्तिवादी व्यवस्था में बच्चे बड़े होते-होते स्वछन्द हो जाते हैं। मूड ठीक नहीं की स्थिति में घटना सिर्फ घटना होती है, वह न सुख देती है और न दुःख। ऐसी स्थिति में बच्चे अपनी अनंत शक्तियों को बौना बना देता है। यह दकियानूसी ढंग है भीतर की अस्तव्यस्तता को प्रकट करने का। पारिवारिक एवं सामाजिक उदासीनता एवं संवादहीनता से ऐसे बच्चों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे बच्चों में मान-मयार्दा, शिष्टाचार, संबंधों की आत्मीयता, शांतिपूर्ण सहजीवन आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख-सुविधाएं ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। भारतीय बच्चों में इस तरह का एकाकीपन उनमें गहरी हताशा, तीव्र आक्रोश और विषैले प्रतिशोध का भाव भर रहा है। वे मानसिक तौर पर बीमार बन रहे हैं और अपने पास उपलब्ध खतरनाक एवं घातक हथियारों का इस्तेमाल कर हत्याकांड कर बैठते हैं। शिक्षकों और परिजनों से संवादहीनता के चलते बच्चों ने मोबाइल फोन और सोशल मीडिया को संवाद का जरिया बना लिया है। कई बार टी.वी. पर हिंसक कार्यक्रम देखने आदि से बच्चों में हिंसक व्यवहार बढ़ जाता है। घर में लगातार बंदूकें, चाकू आदि देखते रहने से भी बच्चों का व्यवहार हिंसक हो जाता है। वैसे भी अगर बच्चों को किसी भी बात के लिए मना नहीं करेंगें, टोकेंगें नहीं तो उन्हें अच्छे-बुरे की पहचान कैसे होगी। एक ऑनलाइन सर्वे में माता-पिता ने कहा था कि बच्चों को गलत काम की सजा भी मिलनी चाहिए, वरना उनके मन में किसी भी बात के लिए डर नहीं रहेगा और हो सकता है वे ऐसे अपराधों को भी अंजाम देने लगें, जिनके परिणामों के बारे में उन्हें पता नहीं।

स्कूली बच्चों में पिछले कुछ समय से हिंसक प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है, जो समाज के लिए खतरे की घंटी से कम नहीं है। मनोविज्ञानी यह मानते हैं कि मोबाइल पर पबजी जैसे खतरनाक गेम और वेब सीरीज बच्चों को हिंसक बना रही है। लेकिन, इसके पीछे न सिर्फ स्कूल का वातावरण, बल्कि लाड-प्यार में अंधे अभिभावकों का रवैया भी कम जिम्मेदार नहीं है। बच्चों में हिंसक व्यवहार के संकेत, जैसे गलत भाषा का प्रयोग करना, समझाने पर भी गुस्सा करना, कोई भी बात समझाने पर चीजें फैंकने लगना, मां-बाप को ही मारने दौडना, लोगों के बारे में गलत बोलना, गलत आदतों में पडना, भाई-बहन के लिए स्नेह न रखना, लड़ाकू प्रवृत्ति का होना, हमेशा उदास रहना, संवेदनहीन और चिड़चिड़े रहना, बार-बार जोश में आना आपको नजर आ सकते हैं। एकल परिवारों में माता-पिता इतने व्यस्त होते हैं कि उनके पास बच्चों से बात करने का ज्यादा समय नहीं होता। वे अक्सर इस बात पर भी नजर नहीं रख पाते कि बच्चे क्या कर रहे हैं, क्या खेल रहे हैं, उनके दोस्त कौन-कौन से हैं। दोस्त उन्हें चिढ़ाते भी हैं कि अरे! तुम्हारे माता-पिता कैसे हैं, जो तुम्हें ऑनलाइन खेल भी नहीं खेलने देते। इससे बच्चों में हीनता और अपने घर वालों के प्रति नफरत का भाव पैदा होता है, जो अपराध के रूप में बाहर निकलता है। फिजिकल, ओरल या सैक्सुअल रूप में गलत व्यवहार, घरेलू वातावरण न मिलना, माता-पिता द्वारा बच्चों की अनदेखी, दर्दनाक घटना होने या फिर स्ट्रैस होना, बच्चों को धमकाना, फैमिली प्रॉब्लम, नशीली चीजों का सेवन, शराब और अन्य गलत चीजों के सेवन से बच्चों में आक्रामकता बढ़ सकती है और वे हिंसक हो सकते हैं।

ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं। घर में बच्चों के लिए स्वस्थ, सुरक्षित, और प्रेमपूर्ण वातावरण बनाने के साथ अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए। स्कूलों में काउंसलर और मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता की व्यवस्था होनी चाहिए, जो बच्चों की मानसिक समस्याओं को समझें और उनका समाधान कर सकें। सबसे बड़ी बात यह कि शिक्षकों को बच्चों के आचरण और उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए प्रशिक्षण देना होगा। ऐसा करने पर वे बच्चों के चाल-चलन की बारीकी से निगरानी कर सकेंगे। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

दो मांओं से सबक लें राजनेता जरूरी है खेल कूटनीति को बचाकर रखना

वास्तव में जब भी पेरिस ओलंपिक, 2024 को भारत और पाकिस्तान में याद किया जाएगा, तो नीरज चोपड़ा और अरशद नदीम की मांओं के प्यार और बड़े दिल के कारण उसका महत्व और भी बढ़ जाएगा। पेरिस ओलंपिक को इन दोनों मांओं की सहज भावनाओं के जरिये सधी खेल कूटनीति के लिए भी याद किया जाएगा, जिसने उन्हें भारत और पाकिस्तान, दोनों प्रतिद्वंद्वी पड़ोसियों में बहुत सम्मान दिलाया। असलियत तो यह है कि इन दो मांओं ने जो किया, उसे देखकर आश्चर्य होता है कि दोनों मुल्कों के विदेश मंत्रालय क्या करने में विफल रहे हैं।दिल्ली और इस्लामाबाद, दोनों जगहों पर उचायोग होने के बावजूद इन दो साधारण ग्रामीण महिलाओं ने जिस तरह दोनों तरफ नफरत और असहिष्णुता की दीवारें गिराकर प्यार और विश्वास का माहौल बनाया, वह दोनों मुल्कों के राजनयिक नहीं कर पाए। दिलचस्प बात यह है कि नीरज चोपड़ा और अरशद नदीम, दोनों ही पंजाबी हैं और बहुत अछे दोस्त हैं। दरअसल पाकिस्तान में मीडिया हमेशा अरशद नदीम से मैदान पर उनके भारतीय प्रतिद्वंद्वी नीरज चोपड़ा के साथ उनकी दोस्ती के बारे में पूछता रहता था और यह भी कि वे दोनों इतने अछे दोस्त कैसे बन गए। अपने-अपने मुल्कों के झंडों को अपने कंधों पर लपेटे हुए उनकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई, जिससे यह संदेश मिलता है कि भले ही आप दो अलग-अलग मुल्कों से हों, फिर भी आप दोस्ती का आनंद ले सकते हैं। क्या नीरज और अरशद के वर्षों से अछे मित्र बने रहने का कारण यह है कि वे दोनों पंजाबी हैं और अपनी मातृभाषा में बात करने से उनकी दोस्ती मजबूत हुई

नई दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार करण थापर, जिन्हें पाकिस्तान में उनके लेखन और टेलीविजन कार्यक्रमों के लिए बहुत सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है, ने इस पर कुछ टिप्पणियां की हैं। उन्होंने कहा कि दोनों माताओं के बीच अपने बेटे के प्रतिद्वंद्वी के प्रति इतना प्यार इसलिए दिखा, क्योंकि वे दोनों पंजाबी हैं और यह जातीयता उन्हें एक साथ ले आई। उन्होंने बेहद खूबसूरत लफ्जों में कहा कि वे अपने बेटे के प्रतिद्वंद्वी को प्रतिद्वंद्वी के रूप में नहीं देखती हैं, क्योंकि उन्हें पंजाबी जुड़ाव महसूस होता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह उनके बोलने के तरीके में उल्लेखनीय समानता को स्पष्ट करता है। अरशद की मां रजिया परवीन ने कहा, मैं भी नीरज के लिए प्रार्थना करती हूं, वह भी हमारे बेटे जैसा है। नीरज की मां सरोज देवी ने भी लगभग यही बात कही, जिसने स्वर्ण पदक जीता, वह भी हमारा बचा है और जिसने रजत पदक जीता, वह भी हमारा बचा है। किसी ओलंपिक में दशकों बाद पहला स्वर्ण पदक जीतने के बाद पाकिस्तान अब भी जश्न मना रहा है। जैवलिन एथलीट अरशदनदीम का अब भी पाकिस्तान में स्वागत किया जा रहा है। बहुत से लोग उन्हें पैसे, घर, कार और जमीनों से नवाज रहे हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राजकीय भोज में उनके परिवार को शामिल करने के लिए एक विशेष विमान उनके पंजाबी गांव मियां चन्नू भेजा। राष्ट्रपति, सेना प्रमुख, मुख्यमंत्रियों और रायपालों समेत सभी प्रमुख व्यक्तियों ने उनके स्वागत के लिए कार्यक्रम आयोजित किए।

दुनिया की भूख मिटाने को तैयार भारत, लेकिन खाद्य सुरक्षा अब भी वैश्विक चुनौती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में हुए कृषि अर्थशास्त्रियों के 32वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएई) को संबोधित करते हुए कहा था कि भारत खाद्यान्न अधिशेष वाला देश बन गया है और वह वैश्विक खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए समाधान उपलब्ध कराने की दिशा में भी काम कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि 65 वर्ष पूर्व जब यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन भारत में आयोजित हुआ था, उस समय भारत की खाद्य सुरक्षा विश्व के लिए चिंता का विषय थी, लेकिन अब वैश्विक खाद्य संकट की चुनौतियों के बीच भारत दुनिया के 150 से अधिक देशों को खाद्य पदार्थों के निर्यातक देश के रूप में रेखांकित हो रहा है। साथ ही कोरोना काल से लगातार 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को मुफ्त में अनाज देने की भारत की पहल दुनिया भर में रेखांकित हो रही है। वर्ष 2023 में भारत ने करीब 50 अरब डॉलर मूल्य का कृषि निर्यात किया है और दुनिया का आठवां बड़ा कृषि निर्यातक देश बन गया है। इन दिनों वैश्विक खाद्य सुरक्षा पर प्रकाशित हो रहीं विभिन्न अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में भारत की नई अहमियत पता चल रही है। इस समय जब रूस-यूक्रेन युद्ध, इस्राइल-हमास युद्ध और अन्य भू-राजनीतिक कारणों से वैश्विक खाद्य संकट गहराता जा रहा है, तब दुनिया के अनेक देशों को खाद्य संकट से निपटने और उनकी खाद्य सुरक्षा के मद्देनजर भारत एक मददगार देश बना हुआ है। 15 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले से कहा कि कृषि व्यवस्था को बदलना समय की मांग है। देश के किसान भारत को विश्व की ऑर्गेनिक फूड बास्केट बना सकते हैं और विश्व के देशों के लिए भारत मददगार हो सकता है। विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष सहित सामाजिक सुरक्षा के विभिन्न वैश्विक संगठनों द्वारा भारत की खाद्य सुरक्षा की सराहना की जा रही है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि देश ने कृषि उत्पादन के विभिन्न क्षेत्रों में ऊंचाइयां प्राप्त की हैं। खासतौर से पिछले 10 वर्षों में कृषि विकास के अभूतपूर्व प्रयासों से अब भारत दुनिया के खाद्य कटोरे के रूप में पहचान बना रहा है। कृषि भारत की आर्थिक नीतियों के केंद्र में है। भारतीय कृषि में 90 प्रतिशत किसानों के पास बहुत कम जमीन है और ये छोटे किसान भारत की खाद्य सुरक्षा की सबसे बड़ी ताकत हैं। कृषि क्षेत्र के सतत विकास के लिए फसलों की 1,900 नई जलवायु-अनुकूल किस्में उपलब्ध कराई गई हैं। भारत रसायन मुक्त प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रहा है।

भारत ने मोटे अनाज को श्रीअन्न का नाम देकर इसे एक लाभदायक समाधान के रूप में प्रस्तुत किया है। भारत कृषि क्षेत्र में डिजिटल प्रौद्योगिकी का लाभ उठा रहा है। वर्ष 2024-25 के केंद्रीय बजट में घोषित नौ उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में कृषि क्षेत्र भी शामिल है। बजट में कृषि और उससे संबंधित क्षेत्रों के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। नए बजट में सरकार उपज के संग्रहण, भंडारण और विपणन सहित सब्जी आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए किसान-उत्पादक संगठनों, सहकारी समितियों और स्टार्टअप को बढ़ावा संबंधी प्रावधान शामिल किए गए हैं। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने वर्ष 2023-24 के लिए प्रमुख फसलों का, जो तीसरा अग्रिम अनुमान जारी किया है, उसके मुताबिक कुल खाद्यान्न उत्पादन 3288.52 लाख टन अनुमानित है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भारत दुनिया में दूध, दालों और मसालों का नंबर एक उत्पादक है। इसके अलावा, देश खाद्यान्न, फल, सब्जियां, कपास, चीनी और चाय का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक बन गया है। ऐसे में जब देश में खाद्यान्न उत्पादन ऊंचाई बना रहा है, तब खाद्यान्न भंडारण की अधिक क्षमता भी जरूरी है। अभी 12 से 14 फीसदी तक अन्न बर्बाद हो जाता है। देश में भंडारण क्षमता फिलहाल 1,450 लाख टन की है, उसे 2,150 लाख टन किए जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है।

हम उम्मीद करते हैं कि बढ़ती हुई वैश्विक खाद्यान्न सुरक्षा जरूरतों के बीच देश में सरकार के द्वारा अधिक खाद्यान्न उत्पादन कृषि प्रणाली मॉडल पर केंद्रित जलवायु स्मार्ट दृष्टिकोण, हरित और जलवायु अनुकूल कृषि के लिए वित्तपोषण, छोटे और सीमांत किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए कृषि बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। हम उम्मीद करते हैं कि सरकार के द्वारा कृषि प्रौद्योगिकी साझा करने के लिए अधिक निवेश, समावेशी कृषि मूल्य श्रृंखलाएं, कृषि-खाद्य क्षेत्र को बदलने के लिए नई-उभरती डिजिटल तकनीकों की, भूमि के डिजिटलीकरण के लिए खेती में ड्रोन को बढ़ावा, कृषि अनुसंधान संस्थानों और विश्वविद्यालयों के बीच मजबूत साझेदारी और टिकाऊ कृषि-खाद्य प्रणालियों की डगर पर आगे बढ़ने की कारगर रणनीति अपनाई जाएगी।

नल-जल योजनाओं का धरातल पर बेहतर क्रियान्वयन परिलक्षित हो

एकल एवं समूह जल प्रदाय योजना तथा हर घर नल से जल व हैण्डपंप से जल प्रदाय के स्थिति की कलेक्टर ने समीक्षा कर अधिकारियों को दिए दिशानिर्देश

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनुपपुर, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत किए गए कार्यों की समीक्षा करते हुए योजना के अंतर्गत किए गए कार्यों की धरातल की स्थिति की जानकारी लेते हुए कहा कि जल जीवन मिशन अंतर्गत एकल एवं समूह जल प्रदाय योजनांतर्गत किए गए कार्यों का संचालन धरातल पर क्रियान्वित होते दिखना चाहिए। उन्होंने कहा कि औचक निरीक्षण कर कार्यों का जायजा लिया जाएगा। बैठक में कलेक्टर ने एकल एवं समूह जल प्रदाय योजनांतर्गत जिले के ग्रामों में किए गए कार्यों की जानकारी प्राप्त करते हुए कार्यों के क्रियान्वयन के सत्यापन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धरातल पर कार्यों के सत्यापन के दौरान संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिव की भी उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह

की समस्या होने पर ग्राउण्ड लेवल पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जल निगम तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के जल जीवन मिशन के अंतर्गत हस्तांतरित योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए पम्प ऑपरेटर स्तर से जल प्रदाय के स्थिति की प्रतिदिन समीक्षा हेतु कन्ट्रोल रूम स्थापित कर जानकारी प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नल-जल से संबंधित शिकायतों को अटेण्ड कर विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उसको तत्परता से निदान सुनिश्चित करें। बैठक में कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने जिले में स्थापित हैण्डपम्प, सिंगल फेस पम्प, नल-जल योजना, जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिले के चारो विकासखण्डों में एकल एवं समूह जल प्रदाय योजना, हस्तांतरित योजनाओं की स्थिति, हर घर जल घोषित ग्रामों की संख्या की जानकारी दी गई।

बांग्लादेश में हिन्दुओं के विरुद्ध हिंसा बर्दाश्त नहीं :स्वामी हरिहरानंद सरस्वती

हिन्दू एकता मंच के प्रदर्शन में जमकर बरसे साधू – संतगण अनूपपुर रमेश तिवारी

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनुपपुर, विगत कुछ वर्षों में पाकिस्तान, बांग्लादेश जैसे मुस्लिम देशों में अल्पसंख्यक हिन्दुओं के विरुद्ध जमकर हिंसा की जा रही है। इन देशों में हिन्दुओं को टारगेट करके आक्रमण किये जा रहे हैं , उनकी हत्या हो रही है । संपत्तियों को लूटा जा रहा है। हिन्दुओं के आस्था के मन्दिरों पर हमले किये जा रहे हैं, उन्हे तोडा जा रहा है, आगजनी की जा रही है। देवी देवताओं की मूर्तियों को खंडित किया जा रहा है। बांग्लादेश मे हिन्दुओं के विरुद्ध हिंसा को लेकर गुरुवार 22 अगस्त 2024 को हिन्दू एकता मंच द्वारा अनूपपुर में धरना प्रदर्शन करते हुए नाराजगी व्यक्त की गयी। इस अवसर पर उपरोक्त विचार व्यक्त करते हुए अमरकंटक स्थित मृत्युंजय आश्रम के प्रमुख महामंडलेश्वर स्वामी हरिहरानंद सरस्वती जी महाराज ने उपरोक्त विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह महज हमारा आरोप नहीं है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट मे कहा गया है कि इसी वर्ष 5-6 अगस्त को बांग्लादेश के 27 जिलों में कट्टरपंथी भीड़ द्वारा हिन्दुओं के घरों पर हमला किया गया। उनमें तोड़फोड के साथ लूटपाट की गयी।? हमलों में बहुत से मन्दिरों को नुकसान पहुंचाया गया। रिपोर्ट के अनुसार खुलना डिवीजन के मेहरपुर स्थित इस्कॉन मन्दिर में तोडफोड करते हुए आग लगा दी गयी। हिन्दू एकता मंच के आह्वान पर अनूपपुर, अमरकंटक, राजेन्द्रग्राम, जैतहरी, चचाई, वेंकटनगर, कोतमा, बिजुरी, राजनगर, भालूमाडा, जमुना सहित जिले भर से यहाँ लोग एकत्रित सैकड़ों लोगों के साथ अमरकंटक से महामंडलेश्वर स्वामी हरिहरानंद सरस्वती जी महाराज (मृत्युंजय आश्रम), श्रीमहंत

स्वामी रामभूषण दास जी महाराज (शांति कुटी), स्वामी धर्मानंद जी महाराज (कल्याण सेवा आश्रम) , ब्रम्हचारी महेश चेतन्य जी महाराज (तुरी आश्रम) , शास्त्री रामनरेश जी (मारकंडेय आश्रम), वैद्य आजाद जी , श्रवण उपाध्याय , मुन्नू पांडेय? ,हिन्दू एकता मंच के विजय शुक्ला, मनोज द्विवेदी, अनिल गुप्ता, श्रीमती पार्वती राठौर, वाल्मीकि राठौर, रंजीत सर्राटी, शैलेन्द्र सिंह, रामनरेश गर्ग, राजेश शिवहरे, डा देवेन्द्र तिवारी, रोशन पुरी, पंजक मिश्रा, हनुमान गर्ग, लवकुश शुक्ला, हरिशंकर वर्मा श्रवण उपाध्याय , उमाशंकर मुन्नू पांडेय, दीपक शुक्ला, श्याम नारायण शुक्ला,शिवरतन वर्मा ,अजय शुक्ला ,रवि तिवारी, राजकिशोर तिवारी, चंद्रिका द्विवेदी, रश्मि खरे, पुष्पा पटेल, दुर्गा पटेल, राकेश गौतम, चैतन्य मिश्रा, राजेश शुक्ला, राजेश पयासी, मनोज शुक्ला, अजय मिश्रा, मुकेश मिश्रा, किशोर सोनी, सुधाकर मिश्रा, आनंद पांडे, वेद द्विवेदी, आनंद राम गौतम, कृष्णानंद द्विवेदी, जे पी शर्मा, मनोज मिश्रा, मुनेश्वर पांडे बलराम पांडे के साथ कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया

जिला मुख्यालय में सामतपुर के शिव- मारुति मन्दिर परिसर में एकत्रीकरण उपरांत उपरांत उपरोक्त संतों के नेतृत्व में शांतिपूर्ण रैली निकाल कर भारत माता की जय, बांग्लादेश में हिन्दुओं पर आक्रमण बन्द हो जैसे नारे लगाते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहाँ उपस्थित सैकड़ों लोगों और कलेक्टर हर्षल पंचोली , पत्रकारों के समक्ष स्वामी हरिहरानंद सरस्वती जी ने ज्ञापन का वाचन करते हुए राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन पत्र सौंपकर कहा कि विगत कुछ वर्षों से बांग्लादेश में हिन्दुओं एवं अल्पसंख्यकों के विरुद्ध लक्षित हिंसा करते हुए उनकी हत्याएं की जा रही हैं । उन पर हमले हो रहे हैं, उनकी संपत्तियों को लूटा, जलाया जा रहा है। मन्दिरों पर हमले करके देवी ,देवताओं की प्रतिमाओं को तोड़ा जा रहा है।

इसके विरोध में हिन्दू एकता मंच ,जिला - अनूपपुर- मप्र आज 22 अगस्त 2024, गुरुवार को दोपहर 2 बजे से जिला मुख्यालय अनूपपुर में शांतिपूर्ण सांकेतिक धरना, प्रदर्शन करते हुए रैली निकाल कर महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी के नाम एक ज्ञापन अनूपपुर कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली जी को सौंप कर इस माध्यम से भारत सरकार से मांग करते हैं कि —

1. भारत सरकार बांग्लादेश पर कूटनीतिक दबाव बना कर हिन्दुओं और वहाँ के अल्पसंख्यकों के विरुद्ध आक्रमणों को तत्काल रोकने को कहे।

2. बांग्लादेश में हिन्दुओं के विरुद्ध लक्षित हिंसा, हत्याओं, आगजनी, लूट, मारपीट, तोड़ - फोड के विरुद्ध बांग्लादेश सरकार दोषियों के विरुद्ध सख्त से सख्त विधि सम्मत कार्यवाही करे।

3. बांग्लादेश सरकार वहाँ रह रहे हिन्दुओं के परिवार ,उनकी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करे।

4. जिन हिन्दुओं की हत्याएं की गयीं, उन्हे चोट पहुँचाई गयी, उनकी संपत्तियों को नष्ट किया या लूटा गया, उसका समुचित मुआवजा बांग्लादेश सरकार देना सुनिश्चित करे।

5. जिन मन्दिरों , धार्मिक स्थानों को, मूर्तियों को क्षतिग्रत किया गया, सरकार उसका पुनर्निर्माण करवाए और सुरक्षा सुनिश्चित करे।

6. भारत सरकार यह सुनिश्चित करे कि बांग्लादेश सहित अन्य मुस्लिम राष्ट्रों में रह रहे किसी हिन्दू और उसके परिवार पर लक्षित हिंसा, लूट , हत्याएं, आगजनी ना हो।

7. यदि बांग्लादेश सरकार वहाँ रह रहे हिन्दुओं को सुरक्षा देने में विफल रहती है तो भारत सरकार उसके विरुद्ध अपने सभी विकल्पों का प्रयोग करे।

8. भारत मे विदेशी घुसपैठियों (विशेष रुप से बांग्लादेश और रोहिंग्याओं) के विरुद्ध निष्कासन की कार्यवाही सुनिश्चित करे। हिन्दू एकता मंच ,अनूपपुर- मप्र आपके माध्यम से भारत सरकार से बांग्लादेश और देश के भीतर केरल, प बंगाल सहित अन्य राज्यों में हिन्दुओं के विरुद्ध हिंसा रोकने की पुख्ता कार्यवाही करते हुए हमारे उपरोक्त मांगो को मानते हुए यथा संभव कदम उठाने का कष्ट करें।

दमोह कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा

नदियों, तालाबों और ऐसे नहरों ऐसे जल स्त्रोतों के आसपास नहाने, कपड़े धोने के लिए बिल्कुल ना जाए और अपने आप को सुरक्षित रखें

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा वर्षा ऋतु अपने चरम पर है और आगे आने वाले दिनों में भी भारी बारिश की संभावना बताई गई है और बारिश के समय में नदी, नालों में बाढ़ आ जाती है, वे अपनी सीमा से ऊपर बहने लगते हैं, इसके अलावा नदियों का बहाव भी बहुत तेज हो जाता है। इन सब बातों को देखते हुए दो चीजों में बहुत सावधानी रखने की जरूरत है। एक तो ऐसे समय में जो लोग नदियों के अंदर अति उत्साह में नहाने के लिए जाते हैं या अन्य किसी कामों से जाते हैं, ऐसे समय में नदी में नहाने आदि के लिए या किसी प्रकार के जश्न या मनोरंजन के लिए जाना बिल्कुल अवॉइड करें, यह बहुत ही खतरनाक हो सकता है। कलेक्टर

श्री कोचर ने कहा प्रदेश में, जिले में कई बार ऐसी स्थिति आती है कि इस कारण से लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ता है, तो नदियों, तालाबों और ऐसे नहरों ऐसे जल स्त्रोतों के आसपास नहाने, कपड़े धोने इस तरह के कामों के लिए बिल्कुल ना जाए और अपने आप को सुरक्षित रखें।

कलेक्टर श्री कोचर ने कहा जिले की कई नदियों में मगरमच्छ दिखाई देने लगे है। कोपरा नदी में एक मगरमच्छ दिखाई दिया था, क्योंकि मगरमच्छों की संख्या हमारे जिले में काफी है। इसीलिए बहुत जरूरी है, हमारा कि नदियों में इस समय में हम सावधानी रखें। नदियों के अलावा हमारे यहाँ पर कई ऐसे जलस्त्रोत हैं जहाँ पर प्राकृतिक रूप से झरने बहने लगते हैं, या जलप्रपात जैसा बनने लगता है और वहाँ पर लोग जाकर के फिर नहाने लगते हैं, तो थोड़ा सा इनको अवॉइड करना चाहिए। यह खतरनाक हो सकता है, वर्षा ऋतु के समय में यदि आप इनको अवॉइड करेंगे तो सभी का जीवन सुरक्षित रहेगा।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय मे 22 और 23 अगस्त को प्रत्यक्ष काउंसिलिंग का कार्यक्रम

अनेक प्रदेशों से अभ्यर्थी और अभिभावक पहुंचे ग्रामोदय विश्वविद्यालय

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ चित्रकूट, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के अनुरूप अध्यापक शिक्षा के लिए नेशनल काउंसिल ऑफ टीचर एजूकेशन नई दिल्ली द्वारा एनटीए के माध्यम से आयोजित लिखित परीक्षा मे अर्जित प्राप्तांको/प्रवीणता के आधार पर महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के तुलसी सभागार में आईटीईपी (बीएबीएड, बीएससीबीएड, बीकॉमबीएड) पाठ्यक्रमों में सत्र-2024-25 में प्रवेश हेतु दिनांक 22 और 23 अगस्त 2024 को प्रवेश काउंसिलिंग का आयोजन किया गया। आज पहले दिन देश के विभिन्न प्रदेशों के अभ्यर्थियों ने ग्रामोदय विश्वविद्यालय के एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर प्रवेश काउंसिलिंग हेतु पंजीकरण कराने के बाद पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार 150 सीटो में प्रवेश हेतु काउंसिलिंग के लिए प्रत्यक्ष रूप उपस्थित हुए। पहले दिन की काउंसिलिंग प्रक्रिया में मध्यप्रदेश सहित उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड ,

छत्तीसगढ़, उड़ीसा , राजस्थान, दिल्ली , बिहार , झारखंड आदि प्रदेशों से आए अभ्यर्थी शामिल हुए। प्रवेश हेतु काउंसिलिंग 23 अगस्त 2024 को भी होगी। ज्ञातव्य हो प्रवेश काउंसिलिंग हेतु 20 अगस्त तक ऑनलाइन पंजीकरण की व्यवस्था रखी गई थी। कुलपति प्रो भरत मिश्रा ने काउंसिल स्थल में स्वयं आकर प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित अभ्यर्थियों और अभिभावकों का उत्साह बढ़ाया। अध्यक्ष प्रवेश समिति प्रो आर पी बाजपेई के अनुसार प्रवेश काउंसिलिंग में सफल अभ्यर्थियों को पाठ्यक्रम शुल्क जमा करने के लिए मोबाइल सन्देश भेजे जायेगे।प्रत्यक्ष काउंसिलिंग प्रक्रिया के संयोजक डॉ श्याम सिंह गौर ने बताया कि कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो नंद लाल मिश्रा की अध्यक्षता में गठित काउंसिलिंग समिति के सदस्य प्रो वाई के सिंह, डॉ अनिल अग्रवाल, डॉ सी पी गूजर, डॉ संतोष कुमार अरसिया,डॉ श्याम सिंह गौर आदि ने सहभागिता की। काउंसिलिंग उपरांत मध्य प्रदेश शासन के आरक्षण नियमों के अनुसार प्रवेश हेतु अंतिम मेरिट सूची निर्गत की जाएगी।

कानून और सांप्रदायिक सद्भाव दोनों बनाये रखना कानून की मंशा का पालन करना यह सर्वोच्च प्राथमिकता - कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर

मुख्य उद्देश्य केवल यहीं कि किसी भी प्रकार की घटना की पुनर्रावृत्ति ना हो-पुलिस अधीक्षक सोमवंशी

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, कानून और सांप्रदायिक सद्भाव दोनों को बनाए रखना, कानून की मंशा का पालन करना यह सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कोई व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो ऐसे दोषियों के खिलाफ सख्ती से कार्यवाही की जायेगी। आप लोग ऐसे लोगों को कंट्रोल करने में हमारी मदद करेंगे, मुझे लगता है कि आप लोगों का यह कर्तव्य बनता है कि इस तरह की चीज हमारे शहर में दोबारा ना हो, कानून अपना काम करेगा, दोषियों को किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ा जाएगा। यह बात कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने आज हटा पुलिस कोतवाली में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में कही। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी, एडीशनल एसपी संदीप मिश्रा,एसडीएम राकेश मरकाम, एसडीओपी प्रशांत सिंह सुमन सहित विभिन्न समाजों के प्रतिनिधिगण मौजूद थे। कलेक्टर ने कहा हटा में पिछले दिनों एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई थी जिसको सभी के सहयोग से और पुलिस प्रशासन के प्रयासों से खत्म किया गया है, आगे भविष्य में ऐसी कोई घटना ना हो और ऐसी परिस्थितियां दोबारा यहां पर ना बने, इसी उद्देश्य को लेकर जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी बातों को लेकर सभी ने अपनी तरफ से सहमति

व्यक्त की है। एक सौहार्द्र पूर्ण माहौल में सभी के साथ चर्चा हुई है, आगे त्यौहार आने वाले हैं सभी ने वचन दिया है कि यहां की जो गंगा-जमुनी तहजीब है वह बरकरार रखी जाएगी। प्रशासन और पुलिस लगातार परिस्थितियों पर नजर बनाकर रखेंगे, प्रशासन सभी से संवाद करता रहेगा। समाज के सहयोग से और पुलिस प्रशासन के प्रयासों से यहां पर हमेशा सांप्रदायिक सद्भाव, चैन और अमन बनाकर के रख पाएंगे।

उन्होंने कहा पहले सभी पक्षों के साथ अलग-अलग चर्चा की गई, फिर सभी पक्षों के साथ सामूहिक चर्चा की गई, इसमें सभी ने इस बात के ऊपर एक मत होकर के बताया है कि वाकई में जो दुर्घटना घटी है वह दुर्भाग्य पूर्ण थी, ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होगी, यह सभी ने आश्वासन दिया है। यह भी बात आई है कि सभी लोग कानून के दायरे में रहकर काम करेंगे, सभी ने पुलिस के द्वारा की गई कार्यवाही की प्रशंसा की है। पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने कहा 14 से लेकर 18 तारीख के बीच की जो घटना हुई थी उसके विषय में सभी पक्षों से चर्चा की है। हमारा मुख्य उद्देश्य केवल यही था कि किसी भी प्रकार घटना की पुनर्रावृत्ति ना हो, उसके लिए यहां के लोगों और शांति समिति के लोगों तथा सभी पक्षों से बहुत अच्छी बातचीत हुई है। हमारा यह मानना है कि आगे से इस प्रकार की कोई घटना ना हो उसके लिए हम प्रिपेर्यड है। लोगों ने भी यहां पर यह आश्वासन दिया है कि किसी भी प्रकार के किसी भी अवैधानिक कृत्य में या किसी एक्सीडेंट में या किसी क्राइम में या किसी और भी विवाद में वो पहले प्रशासन के पास जाएंगे। किसी भी मामले में उसको सांप्रदायिक रूप में बदलने का प्रयास नहीं करेंगे।

बैठक में चर्चा हुई जो घटना हुई थी उसमें एक संयुक्त जांच दल गठित कर दिया जाए और उसकी जांच के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाए। इसमें एक संयुक्त जांच कराएंगे। दोनों ही पक्षों की जो मांगे हैं उनको लोगों ने सुना है और आगे इस प्रकार की कोई घटना ना हो इसके लिए पूरे प्रयास कर लिए गए हैं। स्थानीय स्तर पर एसडीएम और एसडीओपी अधिकारी मौजूद है उनको भी निर्देश दे दिए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक सोमवंशी ने कहा कोई चाहता भी नहीं है कि यह घटना दोबारा हो, पुलिस प्रशासन आप सभी के साथ है, इस प्रकार की घटना दोबारा ना हो इसकी पहली जिम्मेदारी समाज के रूप में सभी बड़े लोगों की होती है, उनके परिवार से कोई व्यक्ति ऐसा न निकले जो इस प्रकार की घटना को कारित करें। जो लोग यहां पर मौजूद रहते हैं वह तो शांति प्रिय होते ही हैं, इसलिए थाने में भी आते हैं, इसलिये वे सभी के बीच में रहकर यह बात करते हैं, कि ऐसी घटना दोबारा ना हो। उन्होंने कहा समाज स्तर पर पहले आप सभी मिलकर के बात करें, हमारी आपकी बातचीत तो हर त्यौहार के पहले होती है। बैठक में मौजूद पक्षों ने भी अपनी अपनी बातें रखीं।

गरीबों को उनका हक वनभूमि का अधिकार दिलाना सगठन का दायित्व:केपी सिह बुन्देला

गले मे गिरमा मुह मे तिनका गजदा मे होगी 30 अगस्त को महापचयात

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ पन्ना, आदिवासी दलित कांति सेना के सयोजक केपी सिंह बुंदेला ने जानकारी देते हुए बताया कि 1अगस्त से 9 अगस्त तक खूटा गाड़ो हल चलाओ अदोलन हर वर्ष की भाती संपन्न किया गया। दितीय चरण मे गले मे गरिमा मुह मे तिनका महापचयात बोरी के गजदा गाँव मे होना तय हुआ है। जानकारी हो हर वर्ष अगस्त माह मे वन अधिनियम को लेकर पन्ना जिले मे अदोलन चलाया जाता है।अधिनियम के तहत जो आदिवासी वनवासी दलित 13 दिसम्बर 2005 के पूर्व वनभूमि मे काबिज है वन अधिकारी पत्रक पट्टे की मांग की जाती है,समान्य किसानो की तरह शासन सुविधा उपलब्ध कराये,वा आदिवासी तथा दलित समाज मे कानूनी एक रूपता ससोधित करे !वन बिभाग को न्याय दिलाने वास्ते बेबस किया जाता है शासन को कुम्भकर्णी नींद से जागने वास्ते अदोलन होते है यह अदोलन जब तक होते रहेगे जब तक वनवासीयो को उनका हक नही मिल जाता। इसी कडी मे 30 अगस्त को गजदा गाँव मे महापचयात होगी मुख्य हिंदुओ के साथ - साथ आदिवासी दलित के साथ घोर अन्याय होते है उन पर बिचारे कर महापचयात मे महामहिम राज्यपाल के नाम पत्र सोप कर अदोलन,महापचयात का समापन किया जाएगा सभा मे पन्ना जिले के कोने-कोने से सगठन के साथी उपस्थिति दर्ज करेगे ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया रूद्राक्ष का पौधा रोपित

प्रत्येक तीन माह में आयोजित किए जाएं रोजगार एवं लोन मेले : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सहारनपुर जनपद में भ्रमण के दौरान सर्किट हाउस सभागार में विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था के संबंध में जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इसी के साथ उन्होंने सर्किट हाउस परिसर में रूद्राक्ष का पौधा रोपित किया। मण्डलायुक्त हृषिकेश भास्कर यशोद एवं जिलाधिकारी मनीष बंसल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को काष्ठ से निर्मित स्मृति चिन्ह भेंट किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जन शिकायतों, आईजीआरएस एवं सीएम हेल्पलाईन में प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण किया जाए। पीडित की संतुष्टि ही निस्तारण का बेहतर आधार माना जाता है। जनसुनवाई को प्राथमिकता दी जाए। जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक व पुलिस अधिकारीगण जनता के साथ संवाद, समन्वय बनाये तथा जनसुनवाई करके समस्याओं का समाधान कराये। उन्होंने उद्योगबंधुओं तथा व्यापारियों के साथ बैठकों में जनपद के जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करने के निर्देश दिए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने लोक निर्माण विभाग की कार्ययोजना बनाने में जनप्रतिनिधियों के अनुभवों का लाभ उठाते हुए शासन को प्रस्ताव भेजने तथा समस्याओं का समाधान करवाने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि प्रदेश का पहला जनपद होने के नाते यहां की कार्यपद्धति ही पहचान बने। ओडीओपी योजनाओं का अधिकतम प्रचार-प्रसार हो इसके

लिए समय-समय पर प्रदर्शनियां लगवाई जाएं। एनआरएलएम के नवाचार की प्रशंसा करते हुए उन्होने कहा कि इस कार्य में महिला जनप्रतिनिधियों को भी जोडा जाए। ग्राम सचिवालय को मॉडल के रूप में विकसित किया जाए। महिलाओं एवं बच्चों से जुडे मुद्दों को प्राथमिकता दी जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जल-जीवन मिशन के अन्तर्गत जनपद के 649 ग्रामों में हुई पेयजल आपूर्ति को जनप्रतिनिधियों को दिखाना सुनिश्चित करे तथा प्रशासन भी इसका निरीक्षण करे। सडकों की पुनर्स्थापना संबंधी कार्यों में देरी न करते हुए गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए। शिलापट्ट में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के नामों का उल्लेख किया जाए। कानून व्यवस्था के दृष्टिगत अवैध खनन को रोकने के लिए टास्कफोर्स बनाई जाए। सभी तहसीलों एवं थानों में निरंतर समीक्षा की जाए तथा आमजन की समस्याओं को शीघ्रता से निस्तारित करने में किसी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब न किया जाए। कोई भी प्राइवेट व्यक्ति तहसील और थानों में कार्य न करे। सरकारी भूमि पर कहीं पर भी अवैध कब्जा न रहे। इस पर सतर्क दृष्टि रखी जाए। भूमाफियाओं के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाए। अधिग्रहित भूमि के सापेक्ष मुवाअजा शीघ्र दिलाया जाए। सार्वजनिक स्थानों, टोल व सड़कों पर सौहार्द खराब करने वाले संगठनों पर सतर्क नजर रखी जाए और माहौल खराब करने वालों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री ने नशे का अवैध धंधा करने वालों के विरूद्ध कडी कार्यवाही की जाए। इसका शिकार बच्चे होते है यह एक पूरी रैकेट की तरीके से काम करता है। मण्डल के तीनों जनपदों में सामूहिक कार्यवाही की जाए। इससे जागरूकता के लिए स्कूल एवं कॉलेजों को जोडा जाए। उन्होने कहा कि यह एक अन्तर्राष्ट्रीय गिरोह है। उपाध्यक्ष, विकास प्राधिकरण को निर्देश दिये गये कि 100 वर्ग गज तक के भू-मालिकों को नक्शा स्वीकृत कराने के लिए परेशान न किया जाए। साथ ही नक्शा स्वीकृति के आवेदन ऑनलाईन कराये जाने के निर्देश दिये गये। बजाज शुगर मिल के भुगतान को यथाशीघ्र करवाने के निर्देश दिए। जनपद में बस स्टैण्ड यथाशीघ्र बनाया जाए तथा आने वाली समस्याओं के दृष्टिगत शासन स्तर पर बैठक करने को कहा।

जनप्रतिनिधियों के साथ विकास संबंधी परियोजनाओं में संवाद स्थापित कर उनके अनुभवों का लाभ लिया जाए।

स्मार्ट सिटी के कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। आईसीसीसी का यातायात में बेहतर उपयोग करने के लिए कहा। उन्होने फोरेस्ट सिटी डवलप करने के लिए वन विभाग के साथ नगर आयुक्त को बैठक करने के निर्देश दिए। नगर निगम क्षेत्र में स्वच्छता कार्यक्रमों को बढाये जाने हेतु नगरायुक्त को महापौर व पुलिस के साथ मिलकर कार्य करने के निर्देश दिये गये। निगम क्षेत्र में वृक्षारोपण कराये जाने के निर्देश भी दिये गये। निगम क्षेत्र में अवारा पशु घूमते हुए न पाये जाए इनका संरक्षण कराया जाए। आयुक्त स्मार्ट सिटि की कार्यों का स्वयं समय-समय पर निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करें। जनपद में अधिक प्लाईवुड उद्योगों को स्थापित करने के लिए माहौल बनाया जाए। इसके लिए आरा मशीन लाईसेंस लेने हेतु आवेदक को ऑनलाईन आवेदन करना होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोई भी परिषदीय विद्यालय शिक्षकविहीन न रहे। शिक्षकों का समायोजन समय से किया जाए। निरंतर विकासखण्डवार शिक्षकों और अभिभावकों की अवकाश के दिन बैठक करवाने के निर्देश दिए। प्रत्येक तीन माह में लोन मेला एवं रोजगार मेला का आयोजन किया जाए तथा जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाए। पीएम विश्वकर्मा, पीएम स्वनिधि में लोगों का चयन टीम बनाकर किया जाए। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए कि गोशालाओं में कोई भी तस्करी न हो और सभी व्यवस्थाएं दुरूस्त रहें। इसके लिए जिलाधिकारी गोशालाओं के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करें। मेडिकल कॉलेज, जिला चिकित्सालय तथा सभी सीएचसी और पीएचसी पर बेहतर व्यवस्थाएं हों। चिकित्सक समय से ओपीडी में बैठें। मुख्य चिकित्साधिकारी अधीक्षक के साथ समय-समय पर निरीक्षण करते रहें। चिकित्सालयों में सभी उपकरणों को क्रियाशील रखना सुनिश्चित किया जाए। संस्थान प्रबंधक सतर्कता व सावधानी बरते तथा आवश्यकता पर पुलिस को सूचित करें। जिला अस्पताल में खराब पड़ी सी0टी0 स्कैन मशीन को शीघ्र ठीक कराने के निर्देश दिए।

अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि समेकित शाकुम्भरी पर्यटन विकास से सम्बन्धित 11 परियोजनाओं को पूर्ण करने में पेड़ों की कटाई से बचते हुए नदी क्षेत्र में सेतु निर्माण पर बल दिया जाए। शाकुम्भरी क्षेत्र में श्रद्वालुओं को कोई असुविधा न होने पाए। उन्होंने सभी अधिकारियों से अपने क्षेत्रों में नवाचार करने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि तकनीक का बेहतर प्रयोग किया जाए। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी मनीष बंसल ने जनपद में एनआरएलएम, शिक्षा, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी एवं ग्रामीण, मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण, मनरेगा, टेक होम राशन, हर-घर तिरंगा, ग्राम पंचायत सचिवालय, सामुदायिक शौचालय, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, ऑपरेशन कायाकल्प, पेंशन योजना, पशु टीकाकरण एवं ईयर टैगिंग, निराश्रित गोवंश संरक्षण, सहभागिता योजना, गोचर भूमि में हरा चारा, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, आयुष्मान भव: अभियान, आंगनवाडी केन्द्रों का नवनिर्माण, वृक्षारोपण अभियान, जल जीवन मिशन, लघु उद्योग, बाढ से राहत एवं बचाव की तैयारियां, विभिन्न आपदाओं में क्षति का विवरण, निर्माण कार्यों की प्रगति, माँ शाकम्भरी विश्वविद्यालय, स्पोर्ट्स कॉलेज बेहट, सरसावा ऐयरपोर्ट सिविल टर्मिनल, खाद्य एवं सुरक्षा औषधि प्रयोगशाला, सामान्य सुविधा केन्द्र, तहसील रामपुर मनिहारान के अनावासीय भवन का निर्माण, स्मार्ट सिटी, डॉ0 भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम के विकास कार्य, हेबीटेट सेन्टर, कन्वेंशन हॉल, राजकीय मेडिकल कॉलेज परिसर में 60 बेडेड नर्सिंग कॉलेज का निर्माण एवं राजस्व कार्यों की जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर रोहित सिंह सजवान ने जनपद में कानून एवं व्यवस्था संबंधी पीपीटी के माध्यम से जानकारी दी।

मण्डलायुक्त डॉ0 हृषिकेश भास्कर यशोद ने मुख्यमंत्री को आश्वस्त किया कि आपके निर्देशों का अक्षरश: अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। इससे पूर्व उन्होंने पुलिस लाईन सभागार में जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, राज्यमंत्री बृजेश सिंह, राज्यमंत्री संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास जसवंत सैनी, महापौर डॉ0 अजय सिंह, विधायक नगर राजीव गुम्बर, विधायक गंगोह किरत सिंह, विधायक रामपुर मनिहारान देवेन्द्र निम, विधायक नकुड़ मुकेश चौधरी, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं सूचना संजय प्रसाद, मण्डलायुक्त डॉ0 हृषिकेश भास्कर यशोद, पुलिस उप महानिरीक्षक अजय कुमार साहनी, कुलपति माँ शाकुम्भरी देवी विश्वविद्यालय प्रो0 एच0एस0सिंह, जिलाधिकारी मनीष बंसल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवान, जिलाध्यक्ष भाजपा डॉ0 महेन्द्र सैनी, मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र सहित संबंधित सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज सहारनपुर में भाजपा जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों की समस्याएं सुनीं, समाधान का भरोसा दिया

मुख्यमंत्री ने गुटबाजी भुलाकर समन्वय पर दिया जोर

गौरव सिंघल। सिटी चीफ

सहारनपुर, लोकसभा चुनावों में खराब प्रदर्शन के बाद पहली बार सहारनपुर मंडल के सहारनपुर और मुजफ्फरनगर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के जनप्रतिनिधियों और पार्टी के पदाधिकारियों से समस्याएं जानीं। उन्होंने एक-एक पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि से बातचीत की और भरोसा दिया कि समस्याओं का समाधान किया जाएगा। एक पदाधिकारी ने मुख्यमंत्री से कहा कि पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी उनकी नहीं सुनते हैं और ना ही उन्हें कोई तवज्जों देते हैं। मुख्यमंत्री इस बात से गहरे तक व्यथित थे कि गंभीर प्रयास करने के बावजूद भाजपा को इस बार के लोकसभा चुनाव में सहारनपुर, कैराना और मुजफ्फरनगर तीनों सीटों पर मुंह की खानी पड़ी है। उन्होंने सरसरी तौर पर इसके कारण जानने की कोशिश भी की। हालांकि पूर्व में पार्टी हार की समीक्षा भी कर चुकी है। जिसमें पार्टी की गुटबाजी और जनप्रतिनिधियों का पूरा सहयोग ना मिलना हार की बड़ी वजह सामने आया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सहारनपुर पुलिस लाइन के सभागार में भाजपा के जनप्रतिनिधियों और संगठन के पदाधिकारियों से कहा कि लोकसभा चुनावों में विपक्षी दलों ने भाजपा के खिलाफ आरक्षण खत्म करने और संविधान बदलने संबंधी झूठे प्रचार किए थे जिससे भ्रमित होकर लोगों ने भाजपा के खिलाफ मतदान किया और

भाजपा की सीटें गिरकर आधी रह गईं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बैठक में भूमि विकास बैंक नानौता के अध्यक्ष ठाकुर अजीत सिंह ने कहा कि भूमि विकास बैंक किसानों को साढ़े ग्यारह फीसद वार्षिक की दर पर कर्ज देता है जबकि सहकारी बैंक किसानों को मात्र तीन प्रतिशत वार्षिक की दर पर कर्ज उपलब्ध कराता है। राष्ट्रीयकृत बैंकों की ब्याज दर भी काफी कम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार इस पर विचार करेगी। कैराना के पूर्व सांसद प्रदीप चौधरी, सहारनपुर के पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा, नगर विधायक राजीव गुंबर, जिला सहकारी बैंक के जिलाध्यक्ष चौधरी राजपाल सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष मांगेराम चौधरी आदि ने भी समस्याएं रखीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बैठक में मौजूद प्रत्येक व्यक्ति से परिचय लिया और समस्याएं जानी। उन्होंने बैठक में मौजूद सहारनपुर के प्रभारी मंत्री प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय से कहा कि वे ज्यादा से ज्यादा सहारनपुर में प्रवास करें और यहां जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों में समन्वय बनाने का काम करें। बैठक में मौजूद मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद ने समस्याओं को नोट किया। इसके बाद मुख्यमंत्री सर्किट हाउस पहुंचे। जहां उन्होंने करीब एक घंटा जिले की कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी ली और विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में कमिश्नर डा. हृषिकेश भास्कर यशोद, डीआईजी अजय साहनी, डीएम मनीष बंसल ने जिले की स्थिति से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिला पंचायत अध्यक्ष मांगेराम चौधरी की शिकायत का संज्ञान लेते हुए जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी उपेंद्र कुमार को कड़ी चेतावनी देते हुए सुधरने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 10 दिन में कार्यप्रणाली में सुधार नहीं हुआ तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और उन्हें निर्देश दिए कि वे जिला पंचायत अध्यक्ष से समन्वय बनाकर काम करें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करीब 12 बजे सहारनपुर पुलिस लाइन पहुंचे जहां पूर्व मंत्री डा. धर्म सिंह सैनी, पूर्व मंत्री संजय गर्ग, पूर्व विधायक नरेश सैनी, पूर्व विधायक जगपाल सिंह, जिलाधिकारी मनीष बंसल, एसएसपी रोहित सिंह संजवान ने स्वागत किया। इससे पूर्व सरसावा हवाई अड्डे पर भाजपा के प्रमुख नेताओं अमित गगनेजा, मेलाराम पंवार, कृष्णलाल अरोडा, विजय माहेश्वरी, हेमंत अरोड़ा, कमिश्नर डा. हृषिकेश भास्कर यशोद और डीआईजी अजय साहनी ने मुख्यमंत्री को पुष्प भेंटकर उनकी अगवानी की। जहां से वे हैलीकाप्टर से सहारनपुर से पुलिस लाइन गए और सहारनपुर में अपने कार्यक्रम निपटाकर वे सवा तीन बजे के करीब मुजफ्फरनगर के लिए हेलीकाप्टर से रवाना हो गए। जहां मीरापुर विधानसभा सीट को लेकर वे पार्टी के जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों से फीड बैक लिया।

सभासदों की मांग पर विद्युत निगम ने बिजली कटौती के समय में परिवर्तन किया

मांग पूरी होने पर सभासदों ने विद्युत निगम के एक्सईएन धीरेंद्र कुमार सिंह को सम्मानित किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर 7 देवबंद, नगर पालिका परिषद देवबंद के सभासदों की मांग पर विद्युत निगम ने बिजली कटौती के समय में परिवर्तन कर दिया है। मांग पूरी करने पर सभासदों ने विद्युत निगम के एक्सईएन धीरेंद्र कुमार सिंह को सम्मानित किया है। बता दे कि नगर पालिका परिषद देवबंद के सभासदों ने बीती 29 जुलाई को विद्युत निगम के एक्सईएन धीरेंद्र कुमार को ज्ञापन देकर सुबह 8 बजे से 9 बजे और शाम को 2.45 से 4.45 बजे तक कटौती के समय को बदलने की मांग की थी। सभासदों का कहना था कि इसकी वजह से सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को उठानी पड़ती है। क्योंकि अधिकांश स्कूलों में जनरेटर की व्यवस्था नहीं है। जिस कारण बच्चों को गर्मी में कक्षाओं में बैठकर पढ़ने को मजबूर होना पड़ता है। सभासदों द्वारा की गई मांग मानते हुए विद्युत निगम ने कटौती के समय में परिवर्तन कर दिया है। सभासदों ने सांपला रोड स्थित विद्युत निगम के कार्यालय पहुंचकर एक्सईएन धीरेंद्र कुमार को बुके भेंट कर सम्मानित करते हुए उनका आभार जताया है। इस अवसर पर सभासद शराफत मलिक, शाहिद हसन, औसाफ सिद्दीकी, रिजवान गौड़, वाजिद मलिक, वसीम मलिक, आसिफ लियाकत आदि मौजूद रहे।

दारुल उलूम देवबंद की मजलिस ए शूरा की बैठक में शिक्षा समेत सभी विभागों के अध्यक्षों ने अपनी रिपोर्ट शूरा सदस्यों के समक्ष पेश की

संस्था का आय-व्यय का ब्यौरा भी प्रस्तुत किया गया, जिस पर शूरा सदस्यों ने संतुष्टि व्यक्त की

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, इस्लामिक शिक्षण संस्था दारुल उलूम देवबंद की मजलिस ए शूरा की बैठक में शिक्षा समेत सभी विभागों के अध्यक्षों ने अपनी रिपोर्ट शूरा सदस्यों के समक्ष पेश की। इस दौरान संस्था का आय-व्यय का ब्यौरा भी प्रस्तुत किया गया। जिस पर शूरा सदस्यों ने संतुष्टि व्यक्त की। संस्था के अतिथि गृह में हुई शूरा की बैठक में शिक्षा विभाग के प्रभारी मौलाना हुसैन हरिद्वारी ने शिक्षा से संबंधित रिपोर्ट पेश की। साथ ही निर्माण व लेखा- जोखा विभाग समेत विभिन्न विभागों के प्रभारियों ने भी अपनी रिपोर्ट शूरा सदस्यों के समक्ष रखीं। इन पर शूरा सदस्यों ने संतुष्टि जताई। बैठक में तालीम की बेहतरी और छात्रों के रहन-सहन को और अधिक व्यवस्थित करने पर सहमति बनी। साथ ही संस्था में विभिन्न स्थानों पर चल रहे निर्माण कार्य, कर्मचारियों के वेतन में

वृद्धि, छात्रवृत्ति और कई विभागों में नए शिक्षक नियुक्त किए जाने आदि मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में मोहतमिम मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी, सदर मुदर्रिस मौलाना अरशद मदनी, मौलाना महमूद मदनी, पूर्व सांसद मौलाना बदरुद्दीन अजमल, पूर्व मोहतमिम मौलाना गुलाम मोहम्मद वस्तानवी, मौलाना रहमतुल्लाह कश्मीरी, मौलाना महमूद राजस्थान, मौलाना हबीबुर्रहमान, मौलाना अनवारुर्हमान बिजनौर, मौलाना अंजर हुसैन मियां देवबंदी, मौलाना हकीम कलीमुल्लाह कश्मीर, मौलाना आकिल सहारनपुर, मौलाना शफीक बेंगलुरु मौजूद रहे।

बीकेएसएन गवर्नमेंट कॉलेज महिला सशक्तिकरण में समाज की भूमिका पर भाषण प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वालो को पुरस्कृत किया गया

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ

शाजापुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बीकेएसएन गवर्नमेंट कॉलेज शाजापुर में राष्ट्र चिंतन संघ, महाविद्यालय युवा टोली द्वारा भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसका विषय महिला सशक्तिकरण में समाज की भूमिका रहा। गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम की

अध्यक्षता प्रो मीनू गिडवानी ने की। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पवित्रा राठौर, द्वितीय स्थान राजपाल गुर्जर तथा तृतीय स्थान पीयूष राठौर ने प्राप्त किया जिन्हे पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर डॉ दिनेश कुमार निंगवाल, प्रो दुष्यंत कुमार यादव, प्रो हरेन्द्रसिंह गुर्जर, डॉ बीएल मालवीय, प्रो धर्मेन्द्र कुमार सोनी, प्रो गरिमासिंह परिहार उपस्थित थे। संचालन छात्र अभिषेक शर्मा ने किया तथा आभार रोहित कराड़ा ने माना।

पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू की गई है

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर। युवक का शव गांव के पेड़ पर लटका हुआ मिलने की खबर से सनसनी फैल गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम रंथभंवर में गुरुवार सुबह पेड़ पर फांसी के फंदे में युवक का शव लटका हुआ मिलने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल पहुंचाया। एएसआई बीएस सिसौदिया ने बताया कि मृतक की पहचान मोहन बड़ोदिया थाना क्षेत्र के ग्राम कड़ूला निवासी 19 वर्षीय राहुल पिता भागीरथ के रूप में हुई है। मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू की गई है।

संस्कृत सप्ताह समापन महोत्सव संपन्न

विद्यार्थियों ने संस्कृत भाषा में कथा, गीत संभाषण, वार्तालाप का अभिनय किया

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर। प्रापयेम भारतं सपदि परम वैभवम्ष्संस्कृतभारतम् समर्थभारतम् इस विषय को लेकर शासकीय हाई स्कूल रानी बड़ौद में संस्कृत सप्ताह का समापन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वक्ता के रूप डॉ घनश्याम दीक्षित, विशेष अतिथि के रूप में राजेंद्र यादव मौजूद रहे। इस दौरान विद्यार्थियों ने संस्कृत भाषा में कथा, गीत, संभाषण, वार्तालाप संस्कृत, संस्कृत भाषा ही अभिनय किया। वहीं डॉक्टर घनश्याम दीक्षित ने संस्कृत के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि विद्यार्थी में पांच लक्षण होना चाहिए जिससे जीवन में सफलता मिलती है। राजेंद्र यादव द्वारा भी बच्चों में समय के महत्व को बताया गया तथा विद्यालय के प्राचार्य हर्षवर्धन चतुर्वेदी ने संस्कृत के इतिहास पर प्रकाश डाला। संचालन गगन प्रजापति ने किया। इस अवसर पर शिक्षक अनिल शर्मा, सीमा मेवाड़ा, विद्या प्रजापति उपस्थित थे।

शासकीय माधव विज्ञान महाविलय में वैज्ञानिक विर्थी संवाद का आयोजन

उज्जैन। शासकीय माधव विज्ञान महाविलय उज्जैन में अंतरिक्ष सप्ताह के छठे दिन मध्यप्रदेश विज्ञान प्रौगिकी परिषद भोपाल के सहयोग से वैज्ञानिक विर्थी संवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर, दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। सरस्वती वन्दना महाविलय की छात्रा कु. कशिश भाटी ने प्रस्तुत की। इस अवसर पर स्वागत भाषण महाविलय प्राचार्य डॉ. अर्पण भारद्वाज ने दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. पुनीत स्वरूप, वरिष्ठ वैज्ञानिक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग इसरो देहरादून ने अपने व्याख्यान में कहा कि भारत का अंतरिक्ष मिशन, मानवता एवं विश्व कल्याण के लिए प्रेरित है न कि सामरिक शक्ति बढ़ाने के लिए, हमारी यही शक्ति हमें विश्व में अलग पहचान दिलाती है। साथ ही उन्होने बताया कि इसरो मे हर संकाय के विर्थियो के लिए अवसर है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री राजेश शर्मा, सलाहकार मध्यप्रदेश विज्ञान प्रौगिकी परिषद भोपाल ने कहा कि अंतरिक्ष आपके हर दिन को स्पर्श करता है। आज हमारे हाथ में जो मोबाइल है वो इसरो द्वारा प्रक्षेपित उपग्रहों की देन है। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में डॉ. स्वाति दुबे विभागाध्यक्ष भौतिक अध्ययनशाला, विक्रम विश्वविलय उज्जैन उपस्थित रही। इस सम्पूर्ण कार्यक्रम के समन्वयक गणित विभागाध्यक्ष डॉ. आर.के. तिवारी एवं भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ. अजय सक्सेना थे। इस अवसर पर महाविलय एवं अन्य महाविलय के प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। साथ ही महाविलय के विर्थी तथा कालिदास कन्या महाविलय, शासकीय माधव कला एवं वाणिज्य महाविलय, शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविलय, भौतिक एवं रसायन अध्ययनशाला के विर्थी भारी संख्या में उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कौन बनेगा चतुर प्रश्नोत्तरी के तहत बच्चों से प्रश्न पूछे

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, कौन बनेगा चतुर प्रश्नोत्तरी के तहत कलेक्टर ऋजु बाफना ने मो बड़ोदिया विकासखण्ड के 10 शालाओं के बच्चों से वीडियो कॉन्फ्रेंस से सवाल पूछे। पूछे गए प्रश्नों का बच्चों द्वारा सही जवाब दिया गया। इस पर कलेक्टर ने बच्चों की ताली बजाकर प्रशंसा की। कलेक्टर बाफना ने मो बड़ोदिया बीआरसीसी द्वारा चलाए जा रहे इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए अन्य विकासखंडों को भी अनुकरण करने के निर्देश दिए गए। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर द्वारा जिले में एनएएस की तैयारियों के लिए गुरुवार को सभी विकासखंड के बीआरसी, जन शिक्षक, बीएससी एवं एनएएस के विषय विशेषज्ञों की बैठक का आयोजन किया। बैठक में मो बड़ोदिया बीआरसी विजय पगारे द्वारा एनएएस की तैयारियों की मॉनिटरिंग के लिए विकासखंड का नवाचार कार्यक्रम केबीसी कौन बनेगा चतुर प्रस्तुत किया गया, जिसके तहत मो बड़ोदिया विकासखंड की 10 शालाओं के कक्षा 06 के छात्र-छात्राओं को इंटरएक्टिव पैनल एवं टैबलेट के माध्यम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर कलेक्टर सभाकक्ष से सीधे संवाद करवाया गया। कलेक्टर द्वारा एनएएस से संबंधित प्रश्न बच्चों से पूछे गए जिनके जवाब पृथक-पृथक शालाओं के बच्चों द्वारा उत्साह पूर्वक दिए गए। कलेक्टर द्वारा ताली बजाकर बच्चों का उत्साह वर्धन किया गया। विकासखंड में इस नवाचार के माध्यम से नेस के विषय विशेषज्ञ प्रत्येक शाला के बच्चों से सीधे जुड़ते हैं तथा कठिन बिंदुओं पर बच्चों एवं शिक्षकों का मार्गदर्शन करते हैं और प्रत्येक शनिवार को विकास खंड की टीम द्वारा शालाओं की इस माध्यम से केबीसी कार्यक्रम आयोजित कर आकस्मिक मॉनिटरिंग भी की जाती है। नवाचार का संचालन गणित एवं विज्ञान विषय के विशेषज्ञ शुभम शर्मा, स्तुति पांडे एवं विजय जैन द्वारा किया जाता है।

शिक्षक समय पर विद्यालय में उपस्थित रहकर बच्चों को पढ़ाएं : कलेक्टर

राष्ट्रीय शैक्षणिक सर्वेक्षण 2024 की आवश्यक तैयारियों एवं एफएलएन के संबंध में बैठक संपन्न

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, राष्ट्रीय शैक्षणिक सर्वेक्षण 2024 की आवश्यक तैयारियों एवं एफएलएन के संबंध में गुरुवार को कलेक्टर ऋजु बाफना की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई, जिसमें शाजापुर जिले के सभी विकासखंडों के बीआरसी, जन शिक्षक, बीएससी एवं एनएएस के विषय विशेषज्ञ मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर बाफना ने निर्देश दिए कि शिक्षक समय पर विद्यालय में उपस्थित रहकर बच्चों को पढ़ाएं। उन्होंने प्रति सप्ताह विकासखण्डवार 5-5 विद्यालयों में टेस्ट लेने के भी निर्देश दिए। साथ ही उन्होने रेण्डमली जांच करने के लिए निर्देशित किया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों में कम बच्चें हैं, किन्तु शिक्षक अधिक हैं वहां के शिक्षकों को अन्य विद्यालय में नियुक्त करें। उन्होने कहा कि यह सुनिश्चित करें कि विद्यालयों में सभी विषयों के शिक्षक उपलब्ध हों। उन्होने बीआरसी, बीईओ को निर्देश दिए कि बच्चों के पढ़ाई का स्तर बेहतर हो, इसके लिए देखें कि शिक्षक समय पर स्कूल आ रहे हैं एवं बच्चों को पढ़ा रहे अथवा नहीं, इसकी रिपोर्ट दें। साथ ही शिक्षकों से स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए यदि आवश्यक हो तो बच्चों के घर तक शिक्षक एवं उनके पालकों से बात कर उन्हें स्कूल में भेजने के लिए प्रेरित करें। इस दौरान कलेक्टर ने शिक्षकों के प्रशिक्षण में कम स्कोर लाने वाले शिक्षकों का पुनः प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश दिए। जिला परियोजना समन्वयक राजेन्द्र शिप्रे द्वारा राष्ट्रीय शैक्षणिक सर्वेक्षण एनएएस 2024 की आवश्यक तैयारियों से अवगत कराया और समय सीमा में कार्य करने के बारे में जानकारी दी। उन्होने बताया कि इस बार कक्षा 3, 6 एवं 9 के विद्यार्थियों का राष्ट्रीय शैक्षणिक सर्वेक्षण 2024 के माध्यम से किया जाएगा जिसकी तैयारियां कर ली गई हैं तथा उक्त कक्षाओं के विद्यार्थियों से अभ्यास प्रश्न एवं ओलंपियाड के प्रश्न बैंक आदि का अभ्यास करवाया जा रहा है। इस दौरान एफएलएन के रवि द्वारा एफएलएन कक्षा 1, 2, 3 के शैक्षणिक कैलेण्डर, निपुण लक्ष्य, एफएलएन सामग्री, शिक्षक आंकलन, सर्वे रिपोर्ट आदि के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई।

सीएसआर गतिविधियों की समीक्षा बैठक संपन्न

कलेक्टर ऋजु बाफना की अध्यक्षता में सीएसआर गतिविधियों के संबंध में समीक्षा बैठक संपन्न हुई। कलेक्टर द्वारा बैठक में महिला एवं बाल विकास, सीएमएचओ, शिक्षा विभाग के अधिकारियों को सीएसआर के माध्यम से किए जाने वाले चिन्हांकित कार्यों को समयसीमा में पूर्ण कराने तथा योजना बनाकर अन्य कार्य संपादित कराने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होने सीएसआर के माध्यम से आंगनवाड़ी केन्द्रों में पंखे लगाने, चिकित्सालयों में सोनोग्राफी एवं डिजीटल एक्सरे मशीन आदि लगाने, जिन स्वास्थ्य केन्द्रों पर सौलर बेटरी खराब हो गई है उन्हें ठीक करने तथा विद्यालयों, छात्रावासों की मरम्मत कराने सहित विभिन्न अन्य कार्यों के करने के निर्देश दिए। साथ ही सीएसआर के संबंध में प्रत्येक सोमवार को बैठक आयोजित कर कार्यों की समीक्षा करने के निर्देश भी दिए।

प्रदेश में महू के करीब चोरल में निर्माणाधीन फॉर्म हाउस की छत गिरी

5 मजदूरों की मौत, मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए

महू। महू तहसील समीप ग्राम चोरल में शुक्रवार सुबह एक निर्माणाधीन फॉर्म हाउस की छत गिर गई। इसमें 5 मजदूर दब गए थे।इनके शव निकाल लिए गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पहले जेसीबी नहीं पहुंचने से मजदूरों को बाहर नहीं निकाला जा सका था। बाद में जेसीबी मौके पर लाई गई। मजदूरों को के शवों को मलबे से निकाल लिया गया है। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने घटना पर शोक जताते हुए मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान से देने के निर्देश दिए हैं।जानकारी मिली है कि सभी मजदूर छत के नीचे ही सोए हुए थे। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह के अनुसार मलबे में 5 मजदूर दबे हैं। शव निकाल लिए गए हैं। मौके पर मौजूद ग्रामीण एसपी हितिका वासल के अनुसार 5 मजदूरों के शव निकाल लिए गए हैं।पांढुर्णा जिले अंतर्गत भोपाल से हैदराबाद जा रही बस के नेशनल हाईवे से पलटने पर यात्रियों की असामयिक मौत होना और महू के चोरल ग्राम में निर्माणाधीन फार्म हाउस की छत गिरने से 7 मजदूरों की दु:खद मृत्यु होना। उनके अनुसार मलबा हटाया जा रहा है। अभी मृतक मजदूर के नाम पवन, हरिओम, रमेश, गोपाल, राजा निवासी राऊ पता चले हैं। यह भी जानकारी मिली है कि दो मजदूर इंदौर, दो शाजापुर और एक राजस्थान निवासी बताए गए हैं।यह भी जानकारी मिली है कि चोरल में इस फॉर्म हाउस में अवैध निर्माण कार्य किया जा रहा है। इसे लेकर जिम्मेदार अधिकारियों पर भी सवालिया निशान लग रहे हैं। हालांकि अभी किसी अधिकारी से इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है।बताया जाता है कि किसी ठेकेदार के जरिये ये मजदूर यहां लाए गए थे। बताया जाता है फॉर्म हाउस पर लोहे के एंगल पर छत डाली गई थी।छत गिरने के बाद सिमरोल पुलिस का दल भी मौके पर पहुंच गया था। इसके बाद मौके पर मलबा हटाने का कार्य किया जा रहा है । बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए थे।पुलिस सूत्रों के अनुसार सभी मजदूरों की मौत हो चुकी है। छत सोए हुए मजदूरों पर जा गिरी थी। छत दो- तीन दिन पहले भरी थी। ग्रामीण एसपी रूपेश द्विवेदी ने बताया कि मलबे में करीब 5 मजदूर दबे थे।ग्रामीण एसपी के अनुसार छत के मलबे को पूरी तरह हटाने के लिए 3 -4 क्रेन की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए 1 क्रेन मौके पर पहुंचाई गई ।घटना स्थल पर एक हाइड्रा, 2 जेसीबी और एक पोकलेन पहुंची । एसडीएम चरणजीत सिंह हुड्डा भी मौके पर पहुंच गए थे। यहां अलग-अलग कॉटेज बनाए जा रहे थे। एक कॉटेज के नीचे सभी मजदूर सोए हुए थे और छत गिर गई। महू तहसील के अंतर्गत चोरल गांव में निर्माणाधीन मकान की छत गिरने से यहां कार्यरत कुछ मजदूरों के दबने की घटना हुई है। निर्माणाधीन मकान में कल स्लैब डाली गई थी एवं रात में यहां कार्यरत मजदूर उसी के नीचे सो गए थे। स्लैब गिरने से 5 व्यक्तियों के दबे होने की सूचना है। दुर्घटना में डेड बॉडी घटना स्थल से निकाली गई है। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी वहां पहुंच गए हैं। - **कलेक्टर आशीष सिंह**

जानें दोनों देशों में क्या है अंतर

पाकिस्तान और भारत में ट्रैफिक नियम उल्लंघन पर मिलती है ये सजा

नेशनल डेस्क। भारत और पाकिस्तान में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन एक गंभीर मुद्दा है और इसके लिए अलग-अलग जुर्माने और दंड निर्धारित किए गए हैं। दोनों देशों में ट्रैफिक नियमों की अनदेखी न केवल आपकी सुरक्षा को खतरे में डाल सकती है, बल्कि आपको आर्थिक दंड का भी सामना करना पड़ सकता है।

आइए जानें कि पाकिस्तान और भारत में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर किन अलग-अलग जुर्माने का प्रावधान है।

पाकिस्तान में ट्रैफिक उल्लंघन पर जुर्माना

पाकिस्तान में ट्रैफिक नियमों का पालन न करने पर जुर्माना राशि काफी सीमित है। उदाहरण के लिए, यदि कोई व्यक्ति लाल बत्ती पर चलता है, तो उसे 500 से 1000 रुपये तक का जुर्माना भरना पड़ता है। मोटरसाइकिल सवारों को लाल बत्ती के उल्लंघन पर 500 रुपये तक का हर्जाना देना पड़ सकता है, जबकि कार और जीप चालकों पर यही नियम लागू होता है। बस और ट्रक चालकों के लिए यह जुर्माना 1000 रुपये तक हो सकता है। अगर कोई बाइक सवार गलत दिशा में ड्राइव करता है, तो उसे 2000 रुपये तक का जुर्माना भरना पड़ सकता है, और कार या जीप ड्राइवरों को 3000 रुपये तक का जुर्माना भरना पड़ता है। बस और ट्रक चालकों के लिए जुर्माना और भी अधिक हो सकता है।

भारत में ट्रैफिक उल्लंघन पर जुर्माना

भारत में ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर जुर्माना राशि पाकिस्तान की तुलना में अधिक है। हाल ही में पारित मोटर व्हीकल एक्ट के अनुसार, लाल बत्ती पर चलने के लिए लोगों को 1000 से 5000 रुपये तक का जुर्माना भरना पड़ सकता है। इस एक्ट के तहत बार-बार उल्लंघन करने पर सजा और जुर्माना की राशि भी बढ़ाई जा सकती है। ट्रैफिक नियमों का बार-बार उल्लंघन करने पर गंभीर दंड का प्रावधान है, जिससे ट्रैफिक नियमों की गंभीरता को दर्शाया जा सकता है।

दोनों देशों के ट्रैफिक नियमों की तुलना

भारत और पाकिस्तान में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माने की राशि में स्पष्ट अंतर है। भारत में जुर्माना राशि पाकिस्तान की तुलना में अधिक है, जो यह दर्शाता है कि भारत में ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन को अधिक गंभीरता से लिया जाता है। दोनों देशों में नियमों का पालन न करने के मामले में सजा और जुर्माना की राशि ट्रैफिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने के प्रयास को प्रतिबिंबित करती है।

ऑटो ड्राइवर ने स्कूली छात्रा को दी धमकी

मैं तुम्हारे साथ वही करूंगा जो कोलकाता में लड़की के साथ हुआ

नेशनल डेस्क। कोलकाता में 9 अगस्त को आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में एक अत्यंत संवेदनशील और दुखद घटना हुई, जिसमें एक महिला डॉक्टर का रेप और मर्डर हुआ। इस मामले ने पूरे देश में आक्रोश फैलाया है और इसके परिणामस्वरूप डॉक्टरों द्वारा 11 दिनों तक हड़ताल की गई। वहीं यह मामला अभी थमा नहीं कि एक और कोलकाता के आरोपी की तरह एक शख्स की घटिया मानसिकतादेखने को मिली। दरअसल, हाल ही में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसमें एक ऑटो ड्राइवर ने दो छात्राओं को धमकी दी, कि वह उनके साथ वही करेगा जो कोलकाता में एक डॉक्टर के साथ हुआ था। यह टिप्पणी करते ही छात्राओं ने ऑटो ड्राइवर को रोककर उस पर हमला कर दिया। राहगीरों ने भी इस घटना में हस्तक्षेप किया और ड्राइवर की पिटाई कर दी। घटना के बाद ड्राइवर ने माफी मांगी, और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। यह घटना सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गई है बता दें कि मामला नागपुर के पारडी पुलिस स्टेशन के पास मंगलवार दोपहर का है। जहां एक ऑटो चालक ने कोलकाता में एक क्रूर अपराध का संदर्भ देते हुए धमकी भरी टिप्पणी की, जिसके बाद दो महिला छात्रों और स्थानीय नागरिकों ने उसकी पिटाई कर दी। सूत्रों के मुताबिक, दोनों छात्र एक ऑटो में यात्रा कर रहे थे और जोर-जोर से बातचीत कर रहे थे। ड्राइवर ने उनसे आवाज धीमी करने को कहा, जिससे तीखी नोकझोंक हो गई।

मैं तुम्हारे साथ वही करूंगा जो कोलकाता में लड़की के साथ हुआ

बहस बढ़ने पर ड्राइवर ने कथित तौर पर छात्रों को धमकी देते हुए कहा, मैं तुम्हारे साथ वही करूंगा जो कोलकाता में लड़की के साथ हुआ। पश्चिम बंगाल में हाल ही में हुए बलात्कार और हत्या के मामले का जिक्र करते हुए। छात्रों ने तुरंत ड्राइवर से ऑटो रोकने की मांग की. एक बार जब उसने ऐसा किया, तो उन्होंने उसे बाहर खींच लिया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। विवाद को देख रहे राहगीर भी इसमें शामिल हो गए और उन्होंने भी ड्राइवर पर हमला कर दिया। ड्राइवर द्वारा छात्रों से माफी मांगने के बाद ही मामला शांत हुआ. घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। लोग बेहतर कानून प्रवर्तन और मृतकों के लिए न्याय के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या हम बदलाव के लिए तैयार हैं? किसी अपराध के लिए क़ानून लागू करना और सज़ा देना भारतीय संविधान और भारतीय न्याय संहिता में लिखा है, हालाँकि, यह न तो इसे रोकता है और न ही रोकता है। बलात्कार और छेड़छाड़ जैसे अपराध के लिए हमें मौलिक अधिकारों के बजाय अपने मौलिक कर्तव्य को जानने की जरूरत है, एक बेहतर समाज ही रहने के लिए बेहतर भविष्य का निर्माण करेगा।

बेगूसराय में भीषण सड़क हादसा

ट्रक के नीचे दबकर SSB जवान और उसकी पत्नी की दर्दनाक मौत

बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय जिले में भीषण सड़क हादसे में गुरुवार को सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) जवान और उसकी पत्नी की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

रिश्तेदार के घर जा रहा थे दोनों

जानकारी के मुताबिक. घटना जिले के साहेवपुर कमाल थाना क्षेत्र की है। मृतकों की पहचान बरियारपुर निवासी एसएसबी जवान सोनू कुमार और उसकी पत्नी मौसमी कुमारी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि जय सिंह अपनी पत्नी मौसम कुमारी के साथ मोटरसाइकिल से मुंगेर अपने रिश्तेदार के घर जा रहा था। रास्ते में वो राजा पेट्रोल पंप साहेबपुर कमाल के समीप ही

एनएच- 31 पर बाइक में हवा भरवाने लगा। इस दौरान हाईवा, ट्रक और बोलेरो में आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर और बोलेरो के परखच्चे उड़ गए और ट्रक पलट गई। इसमें ट्रक के नीचे दबकर सोनू और उसकी पत्नी की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में दंपति की दर्दनाक मौत से मौके पर मौजूद लोग स्तब्ध रह गए।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। वहीं, इस घटना के बाद मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

तेज रफ्तार का कहर, बाइक सवार 2 युवकों को कुचला

लुधियाना। चीमा चौक फलाईओवर ब्रिज पर एक ओवरस्पीड ब्रिजा कार ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में घायल हुए दोनों युवकों की इलाज दौरान मौत हो गई। मृतकों की पहचान सुखराम और बनवारी कश्यप के रूप में हुई है। थाना डिवीजन नंबर-2 के अंतर्गत चौकी जनकपुरी की पुलिस ने दोनों के शव सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिए है। जानकारी के मुताबिक दोनों दोस्त पिता को घर छोड़ कर वापिस जा रहे थे। जब चीमा चौक फलाईओवर से निकल रहे थे। तब एक ब्रिजा कार ने उन्हे टक्कर मारी। दोनों नीचे गिरकर घायल हो गए। इस बीच पीछे से आई थार और एक अन्य गाड़ी ने भी उन्हे कुचल दिया। जिस कारण युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरे की अस्पताल में इलाज दौरान मोत हो गई। ए.एस.आई कपिल शर्मा ने बताया कि हादसे में दो दोस्तों की मौत हुई है। अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस जल्द ही आरोपी को पकड़ लेगी।

जमीन को लेकर हुआ विवाद

दबंगों ने पुलिस के सामने दलितों को जमकर पीटा....

2 महिलाओं सहित 6 लोग गंभीर रूप से घायल

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में जमीनी विवाद को लेकर एक दलित परिवार की गांव के ही कुछ दबंगों ने पीआरबी पुलिस के सामने लाठी डंडों से जमकर पिटाई कर दी। पीआरबी पुलिस के सामने दबंगों द्वारा दलित परिवार की लाठी डंडों से पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि दबंग की पिटाई से दो महिलाओं सहित आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें से तीन की हालत को गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने उन्हें इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर रेफर किया है। वहीं इस घटना का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने गांव के दबंगों पर मामला दर्ज करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया है कि जल्द ही अन्य अभियुक्तों की भी गिरफ्तारी की जाएगी। मिली जानकारी के मुताबिक, पूरा मामला बाराबंकी जनपद में फतेहपुर थाना क्षेत्र के महानपुर गांव का है। बताया जा रहा है कि इस गांव के रहने वाले जोखी गौतम ने अपने खेत पर खम्भे लगाए थे। जोखी गौतम द्वारा अपने खेतों पर लगाए गए खम्भों को गांव के ही नरेंद्र यादव व उनके पारिवारी जनों ने उखाड़ दिए। जब इस बात की शिकायत जोखी गौतम ने नरेंद्र यादव से की तो वह आग बबूला हो गए। उन्होंने बताया कि तुमने जो खंबे लगाए हैं वह हमारे खेत में लगे हुए हैं। इसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि इसके बाद जोखी गौतम ने पीआरबी पुलिस को डायल 112 पर इसकी सूचना दी। विवाद की सूचना मिलते ही कुछ ही देर में डायल 112 पुलिस गांव पहुंच गई। पुलिस को सूचना देने से आग बबूला हुए नरेंद्र यादव और उसके परिजनों ने लाठी-डंडा से जोखी गौतम व उनके परिवार पर हमला बोल दिया। दबंग नरेंद्र यादव और उसके पारिवारी जन लाठी डंडों से डायल 112 पुलिस के सामने ही दलित परिवार को पीटते रहे। पुलिस वालों ने किसी तरह दबंगों के चंगुल से दलित परिवार को बचाया, लेकिन तब तक दो महिलाओं सहित करीब आधा दर्जन लोग इस पिटाई में गंभीर रूप से घायल हो गए। आधा दर्जन घायलों में से 3 की हालत को गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें इलाज के लिए ट्रामा सेंटर रेफर किया है। अपर पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने बताया है कि फतेहपुर थाना क्षेत्र के महानपुर गांव के रहने वाले जोखी गौतम ने अपने खेत पर खम्भे लगाए थे, जिन्हें गांव के ही नरेंद्र यादव और उनके परिवार जनों ने उखाड़ दिए। जोखी गौतम जब इसका विरोध किया तो नरेंद्र यादव और उनके परिवार के लोगों ने जोखी गौतम और उनके परिवार के लोगों को मारा पीटा।

दिल्ली के बुजुर्गों के लिए खुशखबरी, 5 माह से रुकी हुई पेंशन फिर से बहाल

नेशनल डेस्क। दिल्ली की वित्त मंत्री आतिशी ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली में बुजुर्गों को अब पेंशन मिलनी शुरू हो गई है। साथ ही उन्होंने केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर पिछले पांच महीने से इसे रोकने का आरोप लगाया। आतिशी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "दिल्ली के बुजुर्गों के लिए खुशखबरी! पिछले पांच महीने से केंद्र की भाजपा सरकार ने दिल्ली के एक लाख बुजुर्गों की वृद्धावस्था पेंशन रोकी हुई थी। बुजुर्ग बहुत परेशान थे। उन्होंने कहा, "मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि काफी संघर्ष के बाद केजरीवाल सरकार ने बुजुर्गों की रुकी हुई पेंशन शुरू कर दी है। पिछले पांच महीने की पेंशन बुजुर्गों के बैंक खातों में जमा हो रही है। यह पेंशन 60 वर्ष से अधिक आयु के उन बुजुर्गों के लिए है, जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय एक लाख रुपए से कम है। इस योजना के तहत 60 से 69 वर्ष की आयु के लाभार्थियों को दो हजार रुपए प्रति माह दिए जाते जाते हैं, जबकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक समुदाय के लाभार्थियों को 500 रुपए प्रति माह अतिरिक्त दिए जाते हैं। योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को ढाई हजार रुपए प्रति माह मिलते हैं।

किसानों से 32 रुपये में खरीदकर 54 रुपये में बेचेगा दूध

कर्नाटक से दिल्ली मार्केट में इस नए ब्रांड की एंट्री

नेशनल डेस्क। कर्नाटक सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड (चख्न) ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में दूध के बाजार में प्रवेश करने की योजना बनाई है। केएमएफ अपने नंदिनी ब्रांड के दूध को दिल्ली में बेचने के लिए तैयार है और इसका लक्ष्य रोजाना ढाई लाख लीटर दूध की आपूर्ति करना है। इसके साथ ही, आने वाले समय में इस आपूर्ति को दोगुना कर 5 लाख लीटर तक पहुंचाने की योजना है।

नंदिनी ब्रांड की दिल्ली में एंट्री

केएमएफ ने दिल्ली में अपने दूध की बिक्री के लिए हाल ही में स्थानीय दूध डीलरों के साथ बैठक की है। वर्तमान में, केएमएफ कर्नाटक में रोजाना एक करोड़ लीटर दूध का उत्पादन कर रहा है, जिसमें से आंध्र प्रदेश को 2.5 लाख लीटर और तमिलनाडु को 40 हजार लीटर दूध की आपूर्ति की जाती है। अब केएमएफ ने दिल्ली के दूध मार्केट में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का निर्णय लिया है।

उत्तर भारत के बड़े दूध बाजार में प्रवेश करना

केएमएफ के प्रबंध निदेशक एमके जगदीश ने इस पहल के बारे में बताते हुए कहा कि उत्तर भारत के बड़े दूध बाजार में प्रवेश करना एक चुनौतीपूर्ण कदम है। उन्होंने स्वीकार किया कि दिल्ली में दूध की कीमतें कर्नाटक से अधिक हैं। वर्तमान में, केएमएफ किसानों से 32 रुपये प्रति लीटर के हिसाब से दूध खरीदता है, जबकि दिल्ली में दूध की कीमत 54 रुपये प्रति लीटर है। दिल्ली में दूध की आपूर्ति के लिए 53 घंटे का ट्रांसपोर्ट समय और अन्य लॉजिस्टिक चुनौतियां भी हैं। इसके बावजूद, केएमएफ ने इन चुनौतियों का सामना करते हुए दिल्ली के बाजार में नंदिनी दूध की आपूर्ति करना सही कदम माना है। हसन जिला सहकारी दुग्ध संघ ने दिल्ली में दूध के बाजार का सर्वे किया है और अब उसी के माध्यम से नंदिनी दूध की आपूर्ति की जाएगी।

अन्य उत्पादों जैसे मिठाई, घी, और अन्य ब्रांड्स...

दिल्ली सरकार से मार्केट्स में जगह उपलब्ध करवाने की भी गुहार लगाई गई है, ताकि नंदिनी ब्रांड के स्टॉल्स प्रमुख बाजारों में लगाए जा सकें। इसके अलावा, केएमएफ ने दिल्ली में अपने अन्य उत्पादों जैसे मिठाई, घी, और अन्य ब्रांड्स को भी बेचने की योजना बनाई है।

खुदरा दुकानों के माध्यम से नंदिनी घी की बिक्री को लेकर भी रणनीति बनाई जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569